केवल आप के लिये
गांव-गांव शहर-शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 305 बुधवार 29 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या-फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ज्येष्ठ मास के प्रथम मंगलवार को उमड़ी आस्था

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती। ज्येष्ठ मास के प्रथम मंगलवार पर जनपद में अनेक स्थानों पर भजन, कीर्तन के साथ भण्डारे का आयोजन किया गया। मंदिरों पर विशेष पूजा हुई। समाजसेवी ओमप्रकाश अरोरा के संयोजन में कंपनी बाग स्थित शिव मंदिर पर भजन कीर्तन व प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। भंडारे से पूर्व वरिष्ठ महिला समाजसेवी विमल अरोरा व उनकी महिला टीम द्वारा कंपनी बाग मंदिर पर सुंदरकांड का पाठ व भजन कीर्तन का आयोजन हुआ।

विकास खण्ड बनकटी के मथौली,मैंसा पाण्डेय एवं महादेवा में ज्येष्ठ मास के प्रथम मंगलवार को भगवान बजरंग बली की विधि विधान पूर्वक झांकी सजा कर सुन्दर काण्ड पाठ किया गया एवं हवनो परान्त भव्य भण्डारे का आयोजन कर लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अरूण अग्रहरी, अजीत अग्रहरी, सुनील पाल, सन्तोष पाल, सुन्दर यादव, मनीष पाण्डेय, प्रेम चंद्र पाण्डेय आदि लोग शामिल हुए।

गये थे मतदान करने, चोरी हो गये गहने

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती सोनहा थानाक्षेत्र में लोकसभा चुनाव के मतदान के दिन चोरी की घटना सामने आई है। खिड़की के रास्ते घर में घुसे चोरों ने नकदी और गहनों पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

इसी थानाक्षेत्र के फेरसम निवासी विनोद कुमार वर्मा ने तहरीर देकर बताया है कि 25 मई की शाम बजे वोट देने के लिए सांवडीह में बने मतदान केन्द्र पर गए थे। मतदान के बाद परिवार के साथ रात करीब दस बजकर 20 मिनट पर घर लौटे। घर पर बाहर ताला लगा हुआ था। जबकि घर के अंदर के दरवाजे खुले हुए थे। यह देख आवाज लगाया तो एक काले रंग का शर्ट पहने व्यक्ति अंदर से बाहर की तरफ भागा। वह घर के पश्चिम तरफ लगी खिड़की को तोड़कर अंदर घुसा था। घर के अंदर से 55 हजार रुपये नकद और गहने चोरी हो गए थे। घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुटी है।

बीईओ हर्रैया के खिलाफ कार्रवाई की मांगः सौंपा ज्ञापन

-भारतीय बस्ती संवाददाता- हर्रैया (बस्ती)। भाजपा नेता व समाजसेवी चंद्रमणि पांडेय सुदामा ने प्रमुख सचिव व निदेशक बेसिक शिक्षा को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम हर्रैया को सौंपा। ज्ञापन में भगवान परशुराम के चित्र के साथ छेड़छाड़ के आरोपी बीईओ हर्रैया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

चंद्रमणि पांडेय का कहना है कि जब पूरा देश भगवान परशुराम की जयंती मना रहा था तो उस समय बीईओ ने भगवान के चित्र से खिलवाड़ करते हुए एक तस्वीर शिक्षकों के कई ग्रुप में शेयर की। इसकी स्क्रीन शॉट उनके पास भी आई है। इसके खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया तथा आंदोलन की चेतावनी दी गई थी। उस समय एसडीएम ने कहा था कि मामले की जांच बीएसए कर रहे हैं। एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद न तो जांच से सम्बंधित बीएसए का कोई बयान आया और न ही कोई कार्रवाई की गई है। बीईओ का तत्काल स्थानांतरण कर दिया जाना चाहिए। कार्रवाई न होने पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। गिरजा शंकर द्विवेदी, चंद्रप्रकाश तिवारी, पंकज त्रिपाठी, विवेक पांडेय, देवकरण शुक्ल, घनश्याम पांडेय, अतुल पांडेय सहित अन्य मौजूद रहे।

आखिरी चरण के मतदान से पहले साधना में लीन हो जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव का प्रचार समाप्त होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी साधना में लीन होंगे। वह कन्याकुमारी स्थित रॉक मेमोरियल पर एक दिन और एक रात ध्यान लगाएंगे। यह वही स्थान है, जहां कभी स्वामी विवेकानंद ने ध्यान साधना की थी। पीएम नरेंद्र मोदी ध्यान मंडपम में 30 मई की शाम से 1 जून की शाम तक ध्यान लगाएंगे। पहले भी पीएम नरेंद्र मोदी ध्यान साधना करते रहे हैं। केदारनाथ में भी उन्होंने ध्यान लगाया था। इस बार वह कन्याकुमारी में ध्यान लगाएंगे। यह स्थान भी खास है क्योंकि वहीं पर स्वामी विवेकानंद तपस्या में लीन हुए थे और कहा जाता है कि यहीं उन्हें भारत के दर्शन हुए थे।

यहां साधना करने के बाद स्वामी विवेकानंद की जिंदगी में क्रांतिकारी परिवर्तन आया था। मान्यता है कि जैसे सारनाथ का गौतम बुद्ध की जिंदगी में स्थान था, वैसा ही स्थान रॉक मेमोरियल का स्वामी विवेकानंद की लाइफ में रहा है। वह पूरे देश में भ्रमण करने के बाद यहां आए थे और तीन दिन तक यहां साधना की थी। यहीं पर स्वामी विवेकानंद ने विकसित भारत का सपना देखा था। कहा जा रहा है कि यहीं पर पीएम मोदी ध्यान लगाएंगे और स्वामी जी के विकसित भारत के सपने को साकार करने का संकल्प दोहराएंगे।

एक मान्यता है कि देवी पार्वती ने भी भगवान शिव की प्रतीक्षा में यहां एक पैर पर खड़े होकर ध्यान लगाया था। भारत का यह दक्षिणतम हिस्सा है और यहीं पर पूर्वी और पश्चिमी तट आकर मिलते हैं। हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के संगम का भी यही स्थान है। इस तरह भारतीय मान्यताओं के लिहाज से यह स्थान बेहद पवित्र है। पीएम नरेंद्र मोदी इस स्थान से राष्ट्रीय एकता का भी संदेश देंगे। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान भी दक्षिण भारत पर काफी फोकस किया था और वह कई बार तमिलनाडु के दौरे पर गए थे। इसके अलावा केरल, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों के भी उन्होंने खूब दौरे किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24-परगना में मंगलवार को चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, ईडी के नेताओं के पास जो नोटों के पहाड़ निकले हैं... एक-एक रुपए का हिसाब होगा। अब तक लगभग 17,000 करोड़ रुपए में उन लोगों को लौटा चुका हूं जिनसे पैसा लूटा गया था।

मतदान का वीडियो जारी करने वाले पर मुकदमा दर्ज

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती। परसरामपुर पुलिस ने मतदान प्रक्रिया के दौरान वोट डालने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। हर्रैया विधानसभा के बूथ संख्या 127 के सुपरवाइजर व लेखपाल प्रकाश पांडेय ने इस संबंध में थाने पर तहरीर दी है। इसमें बताया है कि प्राथमिक विद्यालय दुफेड़ी पर बने मतदान केन्द्र पर 25 मई को मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदान करने का वीडियो व फोटो एक युवक ने फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर 128 व 132 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गाड़ियों पर पहली बार लग सकता है रोड सेफ्टी सेसः प्रस्ताव तैयार

कानपुर (आभा)। यूपी में परिवहन विभाग ने वाहनों पर पहली बार सड़क सुरक्षा सेस लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है। विभागीय मंथन के बाद प्रस्ताव को पास करके इसे छह जून को शासन को भेजा जाएगा। अफसरों का मानना है कि वाहनों के बढ़ते दबाव से सड़कें टूटती हैं। सड़क सुरक्षा सेस से आने वाले राजस्व से टूटी सड़कों का मेंटीनेंस तत्काल होता रहेगा।

सड़क सुरक्षा सेस का आकलन वाहन कीमत के आधार पर किया जाएगा। प्रस्ताव के तहत छोटे वाहनों पर एक तो भारी वाहनों पर दो फीसदी सेस लेने की योजना है। इसका मतलब किसी कार की कीमत दस लाख रुपये है तो उसे दस हजार रुपये सेस पड़ेगा और किसी भारी वाहन की कीमत 30 लाख रुपये है तो उस पर सेस तीस हजार रुपये होगा। बुधवार तक तैयार प्रस्ताव पर मुहर लगाकर छह जून को अमल के लिए शासन को भेज दिया जाएगा। वाहनों पर सेफ्टी सेस अक्तूबर-2024 तक प्रभावी कर दिया जाएगा।

परिवहन अफसरों ने बताया कि हर साल सड़कों के टूटने की समस्याएं उठती हैं। इसके अलावा टूटी सड़कों से जाम और हादसे भी होते हैं। इन वजहों को ध्यान में रखते हुए सड़क सुरक्षा सेस लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया। नए प्रस्ताव से टूटी सड़कें तत्काल बनेंगी। जाम से भी निजात मिलेगी और वाहन सवारों को जब बढ़िया चमचमाती सड़कें मिलेंगी तो उनके वाहन भी कम खराब होंगे।

गर्मी से परेशान राहुल गांधी सिर पर उड़ेलने लगे पानी

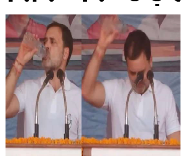

संवाददाता- गोरखपुर। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए सभी दलों ने ताकत झोंक दी है। भीषण गर्मी में एक जिले से दूसरे जिले को उड़न खटोले और कार से नाप रहे हैं। गर्मी से बचने के लिए तरह-तरह के जतन कर रहे हैं। ऐसा ही जतन मंगलवार को इंडिया गठबंधन की रैली के दौरान बांसगांव लोकसभा क्षेत्र के रुद्रपुर में देखने को मिला। यहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने संयुक्त जनसभा को संबोधित किया। अखिलेश के बाद रैली को संबोधित कर रहे राहुल गांधी मंच पर लू से इतना परेशान हो गए कि भाषण देते-देते सामने रखी बोतल से एक घूंट पानी पिया, फिर पूरी बोतल अपने सिर पर उड़ेल ली। यह भी कहा कि काफी गर्मी है।

ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी ही गर्मी से परेशान हुए हैं। इससे पहले अखिलेश यादव ने भदोही में गर्मी में चुनाव के लिए तो बीजेपी को दोषी बता दिया था। अखिलेश यादव ने लोगों से कहा कि बीजेपी ने सभी को तरह तरह से परेशान कर रखा है। बीजेपी से इसका बदला लेना है। कहा कि बीजेपी ने इतनी गर्मी में चुनाव करवाकर हमें और आपको परेशान कर रखा है। गर्मी में चुनाव करवाने के लिए भी बीजेपी को हराना है।

भीषण गर्मी से बेहाल है जिन्दगी, मानसून की बारिश के इंतजार में हैं लोग

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश को जेठ का महीना पूरे तपाए हुए है। पश्चिमी यूपी व बुंदेलखंड में प्रचंड ग्रीष्म लहर का प्रकोप बना हुआ है। प्रदेश में सोमवार को तीन स्थानों पर दिन का तापमान क्रमशः-48-48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ये हैं- आगरा, झांसी, और कानपुर। मंगलवार को वाराणसी में पारा 47.2 पर पहुंच गया। मथुरा-वृंदावन में भी पारा 47, बागपत में 46, चित्रकूट, इटावा में 45, गाजियाबाद व सुल्तानपुर में 46-46, प्रयागराज-45 डिग्री सेल्सियस तापमान तापमान दर्ज हुआ। इस बीच मौसम विभाग ने राहत की खबर दी है। पूर्वी यूपी में आंधी-बारिश के आसार हैं। इससे गर्मी से राहत मिलेगी।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 28 मई को पूरे उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर ग्रीष्म लहर का प्रकोप बना रहेगा, लू से जनजीवन बेहाल रहेगा। 29 मई को भी राज्य में ऐसा ही मौसम रहने के आसार हैं। 30 मई से ग्रीष्म लहर में कुछ कमी आएगी। 31 मई से 2 जून के दरम्यान पश्चिमी यूपी में ग्रीष्म लहर का प्रकोप बना रहेगा जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में आंधी बारिश के आसार हैं। लोग बेसब्री से मानसून की बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मंगलवार

28 मई के लिए गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरय्या, जालौन, झांसी, ललितपुर और आसपास के इलाकों में प्रचंड ग्रीष्म लहर का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, संतरविदास नगर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, बागपत, हापुड़, बुलंदशहर, एटा, मैनपुरी, हमीरपुर, महोबा में मंगलवार को गर्मी का यलो अलर्ट जारी किया गया है यानि इन स्थानों पर कहीं-कहीं प्रचंड ग्रीष्म लहर का प्रकोप रह सकता है। इसके अलावा कई स्थानों पर मंगलवार को रात का तापमान भी बढ़ा रहेगा।

शाहजहांपुर। यूपी का रूहेलखंड इन दिनों नौतपा में खूब तप रहा है। दिन में बेइंतहा गर्मी है ही, रात में भी पारा बढ़ा हुआ है। अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक पहुंच रहा है, न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री क्रास करने को आतुर है। हालात इतने ही नहीं रहने वाले हैं, मौसम विभाग का कहना है कि मई भर तब भी गनीमत है, जून के पहले पखवाड़े की गर्मी बर्दाश्त करना मुश्किल हो सकती है, जून के शुरूआती पंद्रह दिन गर्मी से लिहाज से बेहद संजीदा हैं।

शाहजहांपुर स्थित उत्तर प्रदेश गन्ना शोध संस्थान के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डा. मनमोहन सिंह ने बताया कि शाहजहांपुर में नौतपा के तीसरे दिन सोमवार को अधिकतम तापमान 42 और न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। बताया कि रविवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री था और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री था। रविवार के मुकाबले सोमवार को अधिकतम तापमान 1 और न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। बताया कि मंगलवार को दिन और रात के तापमान में बढ़ोत्तरी की संभावना है। बताया कि इस दौरान आंधी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बताया कि सोमवार को ही कई बार आंधी का बूम बनता हुआ लगा। डा. मनमोहन सिंह के अनुसार, 31 मई तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के करीब बना रहेगा। बताया कि बरेली में तापमान 43 डिग्री तक भी जा सकता है।

डा. मनमोहन सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी तक पहुंचे रेमल चक्रवात का फिलहाल रुहेलखंड में 31 मई तक कोई असर नहीं होने की संभावना है। बताया कि रेमल पहले से कमजोर हो रहा है, इस वजह से उसका असर मध्य यूपी तक होना मुश्किल है। बताया कि 31 मई के बाद 1 से 15 जून तक भीषण गर्मी के लिए तैयार रहना होगा। इन पंद्रह दिनों में तापमान 45 डिग्री क्रास कर सकता है।

गर्मी का प्रकोपः ट्रांसफार्मरों को जलने से बचाने के लिये पानी डाल रहे हैं बिजली कर्मचारी

लखनऊ (आभा)।यूपी के कई जिलों से ऐसी तस्वीरें और वीडियो सामने आ रहे हैं जहां बिजली कर्मचारी पावर ट्रांसफार्मरों पर बाल्टी और पाइप लगाकर पानी डाल रहे हैं। लोग इसे देखकर सोच रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों किया जा रहा है। दरअसल भीषण गर्मी में बिजली की मांग बढ़ने से पावर ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो गये हैं। इससे ट्रांसफार्मर ट्रिप कर जा रहे हैं। ऐसे में ट्रांसफार्मरों को ट्रिप करने से बचाने के लिए तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। कहीं हैवी कूलर लगाया जा रहा है तो कहीं पानी की बौछार करके उन्हें ठंडा करने की कोशिश हो रही है। वाराणसी के भेलूपुर संकुल धारा उपकेंद्र पर तो कूलर लगने के साथ उसके पानी में बर्फ भी डाला गया ताकि ट्रांसफार्मर को ठंडा रखा जा सके। ठंडे ट्रांसफार्मर के जरिए लोगों को ठंडा रखने के लिए नियमित बिजली आपूर्ति बहाल रखने का दावा भी किया गया है।

लखनऊ में जानकीपुरम सहारा स्टेट, अमीनाबाद, ठाकुरगंज सहित कई उपकेंद्रों में पावर ट्रांसफार्मरों के पास कूलर लगाए गए हैं। इसके साथ ही पानी की बौछार भी की जा रही है। मुख्य अभियंता सुनील कपूर ने बताया कि कूलर लगने से पावर ट्रांसफार्मर का तापमान कम हो जाता है। ऐसे में ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त नहीं होंगे।

लेसा के मोहनलालगंज, उतरेठिया, एफसीआई और नादरगंज उपकेंद्र में पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि की गई है। अमौसी जोन के मुख्य अभियंता रजत जुनेजा ने बताया कि मोहनलालगंज और उतरेठिया में 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर लगाया गया है। इसके अलावा एफसीआई और नादरगंज में पांच-पांच एमवीए अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर रखे गए हैं। इससे करीब दो लाख आबादी को बिजली संकट से राहत मिलेगी।

गर्मी से राहत का अनुमान

लखनऊ (आभा)।एक तरफ दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अगले तीन-चार दिनों में केरल और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में पहुंचने की खबर आई है तो दूसरी तरफ प्रचंड गर्मी और ताप लहरी का सामना कर रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को दो दिन बाद राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक मौसम में विशेष परिवर्तन के कोई आसार नहीं है हालांकि 31 मई से अगले एक दो दिन तक पश्चिमी के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में बूंदाबादी होने का अनुमान है। मौसम आंचलिक केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक दानिश ने बताया कि पिछले 24 घंटों में आगरा राज्य का सबसे गर्म इलाका रहा जहां अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

चुनाव के अंतिम चरण में भाजपा के सहयोगी दलों की होगी अग्नि परीक्षा

लखनऊ (आभा)। भारतीय जनता पार्टी सातवें चरण के चक्रव्यूह में अपने तीन सहयोगी दलों के दमखम का पूरा सदुपयोग करने में जुटी है। सहयोगी दलों के जातीय वोट एनडीए प्रत्याशियों को ट्रांसफर कराकर भाजपा इस चरण में बढ़त लेना चाहती है। ऐसे में सहयोगी अपना दल (एस), सुभासपा और निषाद पार्टी के नेताओं का असल इम्तिहान होने जा रहा है।

इस चरण की सीटों पर भाजपा और सहयोगियों द्वारा पूरी ताकत झोंकने का कारण इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी बने हुए हैं। इंडिया गठबंधन द्वारा भाजपा सहयोगियों की पैठ वाली जातियों से कई प्रत्याशी उतार दिए जाने से जातीय गोलबंदी मुश्किल हो गई है। कुर्मी, निषाद, राजभर तथा ओबीसी की अन्य जातियों में कई सीटों पर मतों का बिखराव होने के आसार बन गए हैं।

अनुप्रिया पटेल की अगुवाई वाले अपना दल (एस) की पकड़ पूर्वांचल में कुर्मियों में मानी जाती है। इस चरण की महाराजगंज, मिर्जापुर, वाराणसी, राबर्ट्सगंज तथा कुशीनगर सीट पर इस बिरादरी की तादाद अच्छी है। मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज सीट पर अद (एस) चुनाव मैदान में है। मिर्जापुर से अनुप्रिया पटेल जीत की तिकड़ी लगाने के लिए खुद मैदान में हैं। वहीं राबर्ट्सगंज से उन्होंने सांसद पकौड़ी लाल कोल की बहू रिंकी कोल को मैदान में उतारा है।

सुभासपा पहली बार एनडीए गठबंधन के तहत लोकसभा के चुनाव मैदान में है। घोसी से पार्टी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के बड़े पुत्र अरविंद राजभर प्रत्याशी हैं। घोसी के अलावा इस पार्टी की मजबूत पकड़ राजभर बिरादरी में मानी जाती है। सलेमपुर, बलिया, घोसी, वाराणसी, कुशीनगर, गाजीपुर, चंदौली, गोरखपुर, देवरिया तथा मिर्जापुर में राजभर बिरादरी का वोट भाजपा प्रत्याशियों को ट्रांसफर कराने की चुनौती सुभासपा के सामने है।

निषाद पार्टी भी एनडीए का हिस्सा है लेकिन इस पार्टी को अपने सिंबल पर चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला है। पार्टी अध्यक्ष प्रदेश सरकार में मंत्री डा. संजय निषाद के पुत्र सांसद प्रवीण निषाद को भाजपा ने संतकबीर नगर से मैदान में उतारा है। संतकबीर नगर में मतदान हो चुका है। अब डा. संजय निषाद और प्रवीण निषाद के समक्ष गोरखपुर, बांसगांव, मिर्जापुर, देवरिया, महाराजगंज, कुशीनगर, सलेमपुर, बलिया, घोसी में वोट एनडीए को दिलाने की बड़ी जिम्मेदारी है।

वृद्धाश्रम और अनाथालय के लिये भूमि पूजन

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती । ज्येष्ठ मास के प्रथम मंगलवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय संरक्षक सेवा निवृत्त न्यायमूर्ति राजेश टण्डन ने डुहवा मिश्र एनएच. 28 अयोध्या ग्राम रोड हरैया में वृद्धाश्रम और अनाथालय के लिये भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर सेवा निवृत्त न्यायमूर्ति राजेश टण्डन ने कहा कि आज के वर्तमान परिस्थितियों में लोग अपने माता-पिता को बेसहारा छोड़ दे रहे हैं ऐसी स्थिति में समाजसेवियों को आगे आकर अनाथ, बेसहारा लोगों का सहारा बनना होगा। विशिष्ट अतिथि एन.एच.आर.ए. के राष्ट्रीय संरक्षक सी.वी. तिवारी ने कहा कि जनहित में यह पहल सराहनीय है।

वृद्धाश्रम अनाथालय के संचालक राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के चेयरमैन, सूक्ष्म ,लघु एवं मध्यम, उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के एडवाइजर डॉ. कुलदीप मिश्रा ने कहा कि भौतिकवादी, एकांकी ,परिवार की बढ़ती प्रवृति के कारण वृद्ध जन संकट में हैं और बेसहारा बच्चे बड़ी समस्या बन रहे हैं। उनका पालन, पोषण, शिक्षा के क्षेत्र में वृद्धाश्रम और अनाथालय उपयोगी सिद्ध होगा। बताया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम व अनाथालय भवन निर्माण के बाद ही आरम्भ हो जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से न्यायमूर्ति शशि टण्डन, प्रणव ,चंद्रकान्त पाण्डेय, प्रदीप यादव , आनन्द दुबे, विनोद मौर्य, उदय प्रताप सिंह, हरिश्चन्द्र पाण्डेय, डा. नवीन पाण्डेय, प्रो. रमेश प्रताप सिंह, उमेश दुबे, शैलेंद्र कुमार, मुरलीधर, दुर्गेश कुमार, विश्वनाथ पाण्डेय, , खुशीराम कौशल आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। संचालन राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव सूर्य नारायण उपाध्याय 'भावुक' ने किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 मई 2024 बुधवार

सम्पादकीय

गोल्ड लोन के नाम पर ठगी

चुनावों में नेताओं के भाषणों से सम्पत्ति के वितरण और मंगलसूत्र हड़पने जैसी बेबुनियाद बातों पर बहस हो रही है। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत में लगभग 30,000 टन सोना है जिसकी कीमत 200 लाख करोड़ से ज्यादा है। उसकी तुलना में चीन के पास सिर्फ 16,000 टन सोना है। नोटबंदी के बाद लोगों का कर्ज और दुश्वारियां दोनों बढ़ी हैं। कोरोना के बाद व्यापार और रोजगार खत्म होने से करोड़ों लोग आर्थिक संकट का शिकार हो गए। जिनके पास संपत्ति और नियमित आमदनी नहीं है और जो लोग इंकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं करते, उन्हें बैंकों से लोन मिलना मुश्किल होता है। कई जरूरतमंद लोग गोल्ड लोन के पठानी ब्याज के शिकंजे से बर्बाद हो रहे हैं। साल 2013 में गोल्ड लोन का बाजार 2 लाख करोड़ रुपए का था जो अब बढ़कर 6 लाख करोड़ का हो गया है। कोरोना के बाद गोल्ड लोन के बाजार में सालाना 22 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। भारत में विशाल सोने के भंडार में से अगर 20 फीसदी के एवज में गोल्ड लोन दिए जाएं तो गोल्ड लोन का 24 लाख करोड़ का बाजार हो सकता है।

कुछ दिनों पहले अधूरी के.वाई.सी. वाले 1.3 करोड़ म्यूचुअल फंड खातों पर सेबी ने रोक लगा दी थी। कर्ज देने वाले बैंक फिनटेक और एन.बी.एफ.सी. कम्पनियों के लिए रिजर्व बैंक ने सख्त नियम बनाए हैं। नियमों के पालन में गड़बड़ी की वजह से ही पे—टी.एम. के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई। गोल्ड लोन के लिए बनाए गए नियमों के अनुसार मान्यता प्राप्त एन.बी.एफ.सी. कम्पनियों और बैंक ही सोने के एवज में कर्ज बांट सकते हैं। कुछ दिनों पहले गोल्ड लोन देने वाली तीसरी सबसे बड़ी कम्पनी आई.आई.एफ.एल. फाइनांस के खिलाफ रिजर्व बैंक ने सख्त कार्रवाई की थी। मुथुट फाइनांस और मन्नपुरम फाइनांस गोल्ड लोन बाजार की टॉप 2 एन.बी.एफ.सी. कम्पनियां हैं, जिनका पूरे देश में नेटवर्क है। बड़े फिल्म स्टार और खिलाड़ी ब्रांड एम्बेसेडर बनकर गरीबों को झटपट गोल्ड लोन के लिए लुभाते हैं।

आई.आई.एफ.एल. कम्पनी के गोल्ड लोन बिजनैस की जांच में रिजर्व बैंक को 4 तरह की गड़बड़ियां पकड़ में आईं। पहला—ये कम्पनियां गुणवत्ता पर सवाल उठाकर सोने की कीमत को कम आंकती हैं। कई बार 22 कैरेट वाली ज्वैलरी को 20 या 18 कैरेट का बताकर मूल्यांकन को कम कर दिया जाता है। इससे ग्राहकों को कर्ज की रकम कम मिलती है। लोन में डिफाल्ट की स्थिति में सोना जब्त हो जाता है, जिससे ग्राहकों का दोहरा नुकसान होता है। कम्पनियों की इस हेर—फेर में वैल्यूवर लोग भी बड़े पैमाने पर शामिल हैं। दूसरा—ये कम्पनियां लोन टू वैल्यू रेशो (एल.टी.वी.) में भी गड़बड़ी करती हैं। एल.टी.वी. में दिए गए अनुपात के अनुसार सोने के बदले लोन की रकम का निर्धारण होता है। कोरोना काल में रिजर्व बैंक ने सोने की कीमत के 90 फीसदी वैल्यू तक लोन देने की ढील दी थी। उसके बाद 2021 में रिजर्व बैंक ने इसे 75 प्रतिशत कर दिया। रिजर्व बैंक की जांच के अनुसार आई.आई.एफ.एल. के 67 प्रतिशत खातों में एल.टी.वी. में गड़बड़ी पाई गई है।

कई फिनटेक कम्पनियां ग्राहकों के कर्ज की मांग को पूरा करने के लिए गोल्ड लोन की आड़ में गलत तरीके से पर्सनल लोन भी देती हैं। गोल्ड लोन में ब्याज दर कम होती है, जबकि पर्सनल लोन में ब्याज दर बहुत ज्यादा होती है। चौथा—रिजर्व बैंक नियमों के अनुसार 20,000 रुपए से ज्यादा के कर्ज की रकम बैंक खाते में जमा होनी चाहिए, लेकिन इंकम टैक्स के नियमों की आड़ में कई कम्पनियां 2 लाख रुपए तक का कर्ज नकद में दे रही हैं। कर्ज देनी वाली कम्पनियों और बैंकों के ऊपर नियमों को लागू करके रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था में स्थिरता को सुनिश्चित करता है। इससे करोड़ों ग्राहकों के हितों की भी सुरक्षा होती है। प्रॉपर्टी, शिक्षा या पर्सनल लोन की तरह गोल्ड लोन में ज्यादा कागजी कार्रवाई नहीं करनी पड़ती है, इसलिए इसके प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। गोल्ड लोन की ब्याज दरों और प्रोसेसिंग फीस के बारे में रिजर्व बैंक के नियमों का सही तरीके से पालन नहीं होने की वजह से ग्राहकों का शोषण बढ़ रहा है।

सरकारी बैंक 8.5 से 11 फीसदी की दर पर गोल्ड लोन देते हैं जबकि कई निजी बैंक गोल्ड लोन के नाम पर 17 फीसदी तक का ब्याज वसूल रहे हैं। सरकारी बैंक 0.5 फीसदी या 5,000 रुपए की अधिकतम प्रोसेसिंग फीस लेते हैं। दूसरी तरफ निजी एन.बी.एफ.सी. कम्पनियां एक प्रतिशत से ज्यादा की प्रोसेसिंग फीस वसूल रही हैं। सोने की कीमत, ब्याज और प्रोसेसिंग फीस के बारे में सही पड़ताल करने के बाद ही रजिस्टर्ड कम्पनियों से गोल्ड लोन लेना चाहिए लेकिन जरूरतमंद लोगों को जल्द और नगद कर्ज चाहिए होता है। गरीब लोग गैर—कानूनी कम्पनियों के शिकंजे में फंसकर पीढ़ियों से संचित सोने को गंवा देते हैं।

गोल्ड लोन के बढ़ते बाजार को देखते हुए फर्जी ऐप से ठगी करने वाले कई गिरोह भी सक्रिय हो गए हैं। अनेक धांधलियों की वजह से गोल्ड लोन में एन.पी.ए. बढ़ने से वित्तीय अस्थिरता बढ़ रही है। रिजर्व बैंक ने शिकायत दर्ज कराने और समाधान के लिए कई नियम बनाए हैं लेकिन जनता को सरकारी शिकायत निवारण तंत्र पर ज्यादा भरोसा नहीं दिखता। 60 लाख से ज्यादा ग्राहक गोल्ड लोन ले रहे हैं जिनमें से सिर्फ 135 लोगों ने साल 2023—24 में शिकायत दर्ज कराई थी। गरीबों की स्याह हकीकत समझने की बजाय रिजर्व बैंक का नियमों के तकनीकी पक्ष पर ज्यादा जोर है। जमीन पर नियम लागू नहीं होने से साहूकारों और लोन एप्स जैसे डिजिटल मगरमच्छों के चक्कर में पड़कर लाखों गरीब परिवारों का जीवन तबाह हो रहा है। गोल्ड लोन बाजार में बढ़ रही धांधलियों को रोकने के लिए चुनावों के बाद बनी नई सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे।

हिन्दू—मुसलमान के नाम पर नफरत की राजनीति

—मंगत राम पासला—

वर्तमान लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा नेताओं ने अंध राष्ट्रवाद को एक महत्वपूर्ण मुद्दे के तौर पर उभारने के प्रयत्नों के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोत्तम और सच्चा राष्ट्र भक्त होने का खिताब देते हुए पिछले 10 वर्षों के उनके 2 कार्यकालों को सबसे बेहतरीन समय बताया है। इस कहानी की पृष्ठभूमि में देश में जन्मे 20 करोड़ से अधिक मुसलमानों को देश द्रोही घोषित करने का बड़ा फरेबी मकसद छिपा हुआ है। फिर भी यह तसल्ली की बात है कि इस बार भारतीय मतदाताओं की एक बड़ी गिनती ने संघ परिवार की ओर से बुने गए तथाकथित राष्ट्रवाद के उक्त जाल में उलझने से किनारा करते हुए अपने मत का इस्तेमाल बड़े ही विवेक से किया है। भारत ही नहीं विश्व भर में जब कभी भी लोक विरोधी सरकारों का असली चेहरा आम लोगों में बेनकाब होता है तो सत्ताधारी अंध राष्ट्रवाद की आड़ में देश की सुरक्षा और मजबूत सैन्य शक्ति जैसे विषयों को तूल देकर लोक राय को प्रभावित करने के यत्न करते हैं। सच्चे राष्ट्रवाद का सवाल केवल संबंधित देश के भौगोलिक अस्तित्व के साथ ही नहीं बल्कि वहां के लोगों की मानसिकता के साथ भी बंधा हुआ है। मिसाल के तौर पर यदि भारत के 140 करोड़

लोगों के दिलों में सच्ची राष्ट्रवादी भावनाओं का संचार करना है तो यह लाजिमी है कि खूबसूरत जीवन जीने की उनकी आशाओं की पूर्ति करनी होगी।

कम से कम नेताओं के हाव—भाव से इस मिशन को पूरा करने के लिए जरूरी गंभीरता और ईमानदारी तो अवश्य ही नजर आनी चाहिए। यदि ज्यादा कुछ न किया जा सके तो जनसाधारण की रोजी—रोटी, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि किसी देश के समस्त लोगों का खुशहाल होना ही वहां की सुरक्षा और मजबूती की गारंटी बन सकता है।

यह सच्ची राष्ट्रवाद की भावना ही थी जिसने अंग्रेजों की गुलामी का जाल उतारने के लिए टुकड़ों में बंटे विभिन्न धर्मों, जातियों, समुदायों को एक धागे में पिरो दिया। इस सच्चे राष्ट्रवाद का उद्देश्य अंग्रेजों की गुलामी से छुटकारा हासिल करके स्वतंत्र भारत की स्थापना करना था। राष्ट्रवाद की इस भावना को कमजोर करने के लिए साम्राज्यवादी अंग्रेजी हुकूमत ने लोगों में धर्म—जाति आदि के नाम पर फूट डालने का हरसंभव यत्न किया। अपने इन्हीं प्रयत्नों के चलते साम्राज्यवादी ताकतों ने हिन्दू—मुसलमानों और सिखों में ऐसे—ऐसे संगठन खड़े कर दिए जो अंग्रेजी साम्राज्य की गुलामी के खात्मे की तुलना में धर्म आधारित अलग देश की स्थापना को प्राथमिकता देते थे।

आर.एस.एस. ने अंग्रेजी साम्राज्य की गुलामी से मुक्त होने के स्थान पर मुसलमानों से छुटकारा हासिल करके धर्म आधारित एक कट्टर हिन्दू राष्ट्र को कायम करने के अपने मकसद की घोषणा की। एक ओर कुछ ऐसे लोग हैं जो हर किस्म के धार्मिक, जात—पात तथा अन्य मतभेदों से ऊपर उठकर अंग्रेजों की गुलामी से स्वतंत्रता हासिल करने के लिए लड़े जबकि दूसरी ओर धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले ऐसे संगठन हैं जो साम्राज्यवादी ताकतों का साथ देते हुए देश के साथ धोखा करते आए हैं।

पहली किस्म के लोग सच्चे और दूसरी किस्म के लोग छद्म भेष में या फिर कहें तो फर्जी राष्ट्रवादियों की श्रेणी में आते हैं। आज समय की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि वे शक्तियां जो अंग्रेजी साम्राज्य के साथ घुल—मिल गई थीं, आज भारतीय सत्ता पर विराजमान होने में सफल हो गई हैं। सच्चाई यह है कि ऐसे लोगों के भड़काऊ नारों और बयानों ने समाज को बांटने का काम किया है। क्या इस तथ्य से इंकार किया जा सकता है कि विदेशों से आकर भारत में बसे मुसलमानों ने इस देश की गंगा, यमुना तहजीब को अपनाकर अपना असली ठिकाना भारत की मिट्टी को बना लिया है। क्या ये सभी लोग हमारे हिन्दू बहुल समाज की संस्कृति का अंग नहीं हैं?

ऐसे लोगों की धार्मिक मान्यताएं बेशक अलग हैं परन्तु हर कठिन समय में ये लोग देश के साथ खड़े होते हैं। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत करने वाले लोगों में मुसलमानों की हिस्सेदारी दूसरे धर्मों के लोगों से अधिक थी। 1947 में हुए बंटवारे के समय भी साम्प्रदायिक दंगों के बावजूद जम्मू—कश्मीर सहित भारत के ज्यादातर प्रांतों के मुसलमानों ने पाकिस्तान जाने की जगह अपनी मातृभूमि भारत को अपना कहा। पाकिस्तान के साथ हुए 3 युद्धों के दौरान क्या भारतीय सेना के मुसलमान अधिकारियों और जवानों ने सच्ची देशभक्ति का सबूत देते हुए भारत की ओर से की गई सैन्य कार्रवाइयों में सच्चे दिल से अपनी जानें न्यौछावर नहीं कीं? ऐसे लोग जो साम्प्रदायिक सोच के आधार पर आतंकी या हिंसक कार्रवाइयों में शामिल होते हैं वे तो हर धर्म में मौजूद हैं।

कुछ स्वार्थी तत्वों की ओर से जानबूझ कर स्थिति को बिगाड़ने के यत्न किए गए। मगर क्या ऐसे समय में भारतीय लोगों के बड़े हिस्से ने साम्प्रदायिक सद्भावना और शांति बनाए रखने के लिए अपना योगदान नहीं डाला। पंजाब में खालिस्तानी लहर के काले दौर के समय देश विरोधी साम्प्रदायिक और हिंसक तत्वों के खिलाफ डट कर लोहा लेने वाले बाकी लोगों के साथ कम्युनिस्ट कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे। 300 से ज्यादा श्रेष्ठ कम्युनिस्ट नेताओं और वर्करों ने शहादत का जाम पिया था। कोई भी राजनीतिक दल या सामाजिक संगठन जो देशभक्ति या राष्ट्रवाद को साम्प्रदायिक नजरिए के साथ देखता है वह सही मायनों में राष्ट्रवादी कहलाने का हकदार नहीं है। स्पष्ट तौर पर यह कहना चाहिए कि लोक हितों के विपरीत कार्य करने वाला कोई भी दल या व्यक्ति राष्ट्रवादी हो ही नहीं सकता।

चुनावी कोलाहल के बीच नए कश्मीर की उम्मीद

—अमिताभ मट्टू—

जम्मू और कश्मीर में चुनाव एक लोकतांत्रिक अनुष्ठान से कहीं अधिक है। प्रचलित कल्पना में, यहां का परिदृश्य तगड़ा प्रतीक रहा है विश्वास और विश्वासघात का, विरोध और स्वीकार्यता, आशा और मोहभंग, भरोसा और अनिश्चितता का। लेकिन कश्मीर ने शायद ही कभी प्रतिस्पर्धात्मक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का इतना प्रबल उत्सव देखा होगा जितना मौजूदा आम चुनाव में हो गुजरा। समूची नयनाभिराम घाटी में बड़ी—बड़ी चुनावी रैलियां और रोड शो हुए, जिनमें कश्मीर के अनेकानेक निर्भीक, भावुक, रंगीले और 'घड़ी में तोला घड़ी में माशा' मिजाज रखने वाले नेतागण इस चुनावी संग्राम में शामिल होकर उस व्यवस्था का निर्माण करने में जुट गए, जो वर्तमान में केंद्रशासित प्रदेश और पूर्व में पूर्ण राज्य रहे इस खित्ते के इतिहास में नया मोड़ लाने वाली हो सकती है।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद इस पहले संसदीय चुनाव में प्रचार का मुख्य मुद्दा 'विशेष प्रावधान' खत्म होना और सूबे का दर्जा पूर्ण राज्य से घटकर केंद्रशासित प्रदेश रह जाना था। लेकिन इसे संयोग कहें या कुछ और, चुनाव निष्पक्षता के मामले में (अपेक्षाकृत भयमुक्त माहौल में) कश्मीर में शेष भारत में सबसे बेहतरीन नमूना रहा। यदि सच में नया कश्मीर चाहिए और इस माहौल को आगे बढ़ाना और बनाए रखना है तो सही वक्त यही है और इसके लिए विधानसभा चुनाव भी इसी तत्परता से करवाए जाएं।

जम्मू—कश्मीर में लोकतंत्र की जड़ें विरल रही हैं। वर्ष 1950 और 60 के दशक में, जम्मू में करवाए गए छद्म चुनावों को 1947 में दिए गए भरोसे के 'विश्वासघात' की तरह देखा जाता था। वर्ष 1977 के चुनाव में, जो कि आजादी के बाद से, इस भूतपूर्व सूबे का सबसे साफ—सुथरा चुनाव था, विश्वास एवं स्वीकार्यता का प्रतीक बना। वर्ष 1987 में हुआ चुनाव न तो मुक्त था, न ही निष्पक्ष, इसने दशकों तक चलने वाले आतंकवाद की नींव डाली। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वर्ष 2002 में फिर से काफी हद तक भरोसा बना जब केंद्र में प्रधानमंत्री वाजपेयी की सरकार थी और जनता अपने मतपत्र के जरिए सूबे के तत्कालीन सत्ताधारियों को हटा पाई। लेकिन वह दिन सच में लद चुके हैं, जब 1950 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के बार—बार कहने पर, तत्कालीन 'वजीर—ए—आजम' बख्शी गुलाम मोहम्मद कुछ सीटें अपने विरोधियों के लिए छोड़ने पर राजी हुए थे, ताकि और कुछ नहीं तो जनता की नजरों में चुनावों की विश्वसनीयता बनी रहे।

आज, जम्मू—कश्मीर के अधिकांश मतदाता मानते हैं कि चुनाव निष्पक्ष और मुक्त रहे और यह मौजूदा परिस्थिति में अंतर ला सकता है। हालांकि, वे इस भ्रम में भी नहीं हैं कि यह चुनाव उनके बृहद राजनीतिक मुद्दों का हल है, लेकिन उन्हें भान है कि कश्मीर के मुद्दों को सुलझाने के प्रयासों को गैर—निर्वाचित और नकारा प्रशासनिक व्यवस्था का बंधक न बनने दिया जाए। यह मतदाता वह है जिसे विश्वस्तरीय प्रशासन, आधारभूत ढांचा, शिक्षा एवं रोजगार में नए अवसरों के अलावा वर्तमान में लागू कठोर कानूनों के शिकंजे में रहने की मजबूरी से हटकर रोजाना की जिंदगी में इज्जत से विचरने की चाहत है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि अपनी भूमि में अलगाववाद की भावना न पनपे।

राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो अगस्त, 1953 में शेख अब्दुल्ला को जो कि उस वक्त सूबे के सबसे कद्दावर नेता थे, एक दिन जब गुलमर्ग में छुट्टियां मना रहे थे तो पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण दास ठाकुर ने सूचित किया उनको यानी जम्मू—कश्मीर के 'प्रधानमंत्री' (उस वक्त यही पदनाम था) पद से पदच्युत कर दिया गया है और नजरबंद करने के हुक्म हैं। पलटकर उन्होंने गरजते हुए कहा यह आदेश किसने दिया है? उस वक्त तक शेख अब्दुल्ला को यकीन था कि तीन मूर्ति भवन में रहने वाले उनके मित्र नेहरू उन्हें कभी धोखा नहीं देंगे।

अधीक्षक ठाकुर ने 'सदर—ए—रियासत' कर्ण सिंह के हस्ताक्षर वाला फरमान दिखाया, जो उस वक्त अपने पिता महाराजा हरि सिंह को मुम्बई में जलावतनी दिए जाने के बाद रियासत के किशोरवय 'राजा' थे। शेख अब्दुल्ला ने ही कर्ण सिंह को सूबे का मुखिया नियुक्त किया था और आज खुद उनके बनाए इस 'छोकरे' ने ही एक चिंदी भेजकर उनकी छुट्टी अलोकतांत्रिक ढंग से कर डाली! यह आदेश स्वीकार करने से पहले शेख ने नमाज अदा की। शेख अब्दुल्ला, जो कि सूबे के सबसे लोकप्रिय नेता थे, अगले 22 साल सत्ता से बाहर रहे, जब तक कि उन्होंने 1975 में इंदिरा गांधी के साथ संधि को स्वीकार किया।

इसमें कोई शक नहीं जम्मू—कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनुमति न देने की बीमारी से खुद शेख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी भी अछूती नहीं थी क्योंकि उन्होंने भी सूबे में किसी विपक्ष को पनपने का मौका शायद ही छोड़ा था। रणजीत सिंह पुरा में भड़काऊ भाषण, अमेरिकी राजनयिकों को डोरे डालना और जनसंघ के सबसे कद्दावर नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रीनगर में अपनी निगरानी में मरने देना जैसे काम उन्होंने किए। उनके बाद आए बख्शी, जिन्हें दिल्ली का वरदहस्त प्राप्त था।

शेख अब्दुल्ला के काल के बाद, उनके पुत्र और राजनीतिक जानशीन फारूक अब्दुल्ला को भले ही दिल्ली का आशीर्वाद प्राप्त था, लेकिन भारतीय लोकतंत्र में उनका यकीन ही कम था। वर्ष 1984 में अब्दुल गनी लोन (पीपुल्स कॉन्फ्रेंस नेता सज्जाद लोन के पिता) ने एक दिन सुबह को डॉ. अब्दुल्ला को गहरी नींद से जगाकर बताया कि उनके वफादार विधायकों का एक बड़ा धड़ा टूट चुका है और इस वक्त राजभवन में राज्यपाल जगमोहन के समक्ष है। फारूक सरकार भंग कर दी गई। पूर्व राज्यपाल बीके नेहरू ने रहस्योद्घाटन किया था कि यह तोड़फोड़ इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के बंदों के माध्यम से दिए भारी पैसे के बाद पैदा की गई थी। इस अभियान में एक जाना—माना कांग्रेसी नेता उर्फ व्यापारी भी शामिल था, जिसने विद्रोह करने वाले विधायकों तक धन पहुंचाया था। वर्ष 1987 का चुनाव नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने साथ मिलकर लड़ा, जिसमें बड़े पैमाने पर धांधली हुई।

आज, दिल्ली की केंद्र सरकार के पास वास्तव में मौका है कि इतिहास को एक तरफ रखकर, नए भविष्य का सृजन करे। सबसे अहम, विधानसभा चुनाव जल्द करवाकर लोकतांत्रिक प्रशासन व्यवस्था की बहाली तुरंत करवाई जाए। पिछले मर्तबा चुनाव कोई एक दशक पहले हुए थे, और पिछले पांच सालों से जम्मू—कश्मीर में चुनी हुई सरकार नहीं है। हालांकि, स्थानीय निकायों के चुनाव जरूर करवाए गए हैं लेकिन ये प्रतिनिधि बाकायदा चुनी हुई विधानसभा का विकल्प नहीं हो सकते। जितना जल्द हो सके जम्मू—कश्मीर का पूर्ण—राज्य दर्जा बहाल किया जाए। गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले साल दिसम्बर में यह भरोसा दिया था कि यह काम सही समय आने पर किया जाएगा। अब वह सही वक्त यही है, ताकि अनुच्छेद 370 पर हारी लड़ाई से पैदा हुआ आक्रोश, राज्य दर्जा पुनः प्राप्ति के अहसास से ठंडा पड़ सके।

अंत में, यह समय है लीक को 'विशेष होने' से 'समान होने' की और मोड़ने का। इस केंद्रशासित प्रदेश के अधिकांश बाशिंदे और नेता भी यह मानेंगे कि बतौर भारतीय गणतंत्र राजनीतिक परिदृश्य का 'समान सदस्य' होकर आजादी और अधिकार का जो आनंद है, वह विशेष राज्य के दर्जे वाले वक्त से कहीं अधिक है। आखिरकार, तमिलनाडु या पश्चिम बंगाल या ओडिशा अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, राजनीतिक परिधि कायम रखते हुए आर्थिक रूप से उतनी खुशहाली बना पाए हैं, जितनी भारतीय गणराज्य में विशेष राज्य का दर्जा पाकर जम्मू—कश्मीर नहीं बना पाया।—लेखक जम्मू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं।

स्वर्णरेखा : जहां बहता है हीरा—सोना

—धीरज बसाक—

भारत में हजारों छोटी—बड़ी नदियां बहती हैं, जो आज के समय में लोगों के जीवन यापन का साधन बनी हुई हैं। कई राज्यों के किसान खेती के लिए नदियों के पानी पर निर्भर रहते हैं, तो कई लोग किसी और काम के लिए नदी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी नदी के बारे में बताने वाले हैं, जिसके बारे में सुन आप कान पर हाथ रख लेंगे। जी हां, देश में एक ऐसी नदी है, जहां के पानी से सोना निकलता है, क्यों चौक गए ना?

झारखंड में स्थित स्वर्णरेखा नदी लोगों के लिए कमाई का जरिया बनी हुई है, दरअसल पानी से निकलने वाले सोने को लोग बेचकर पैसा कमाते हैं। इसी पैसे से वो अपने परिवार का पालन—पोषण करते हैं। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि आखिर इस नदी में सोना आता कहां से है? इस बारे में किसी को भी कोई जानकारी नहीं है। कई वैज्ञानिकों ने भी इसकी रिसर्च की है, लेकिन कोई जानकारी अभी तक हासिल नहीं हुई है। जानकर हैरानी होगी हजारों सालों बाद भी वैज्ञानिकों के लिए ये पता लगाना मुश्किल है आखिर सोना आता कहां से है। भू—वैज्ञानिक का कहना है कि ये नदी कई चट्टानों से होकर गुजरती है, इसी दौरान घर्षण के कारण सोने के कण इसमें घुल जाते होंगे। बता दें, नदी से सोना निकालना काफी मुश्किल है, नदी के रेत से सोने को इकट्ठा करने में काफी मेहनत लगती है। ये कण चावल के दाने के बराबर या फिर उससे भी छोटे होते हैं।

नदियों में पानी के साथ अनगिनत रोचक और रोमांचक कहानियां भी बहती रहती हैं, लेकिन झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा से होकर बहने वाली स्वर्णरेखा एक ऐसी नदी है जिसके पानी में कहानियां नहीं सोना बहता है। लेकिन रुकिए स्वर्णरेखा दुनिया की ऐसी इकलौती नदी नहीं है और भी कई नदियां हैं जहां सोना से लेकर हीरा, पन्ना भी बहते हैं। यह अकारण नहीं है कि सिर्फ आषाढ़, सावन और भादो जैसे मानसून में ऊफान वाले तीन महीनों को छोड़ दें तो हर समय स्वर्णरेखा नदी में अलग—अलग जगहों पर सैकड़ों लोग अपनी किस्मत बदल डालने के लिए सोने की खोज में लगे रहते हैं। भले ही सदियों से वैज्ञानिकों के लिए यह रहस्य का विषय हो कि आखिर इस नदी में सोना आता कहां से है, मगर वह सदियों से बह रहा है,अविरल बह रहा है।

शायद इसीलिए इस नदी का नाम स्वर्णरेखा है। झारखंड रांची से 16 किलोमीटर दूर नगड़ी गांव में रानी चुआं नामक जगह से (जिसे रत्नगर्भा भी कहा जाता है) निकलने वाली स्वर्णरेखा नदी 474 किलोमीटर तक बहती है। नदी में हमेशा सैकड़ों लोग अलग—अलग जगहों में सोने के कण ढूंढते मिल जायेंगे। माना जाता है कि अगर आपकी किस्मत अच्छी है तो महीने में औसतन 60 से 80 चावल के बराबर के ये सोने के कण मिल जाते हैं, जो विशुद्ध 24 कैरेट सोना होते हैं। इस तरह देखें तो आमतौर पर सोना ढूंढने में अपने आपको खपा देने वाले लोग हर महीने कई हजार रुपये का सोना ढूंढ लेते हैं। लेकिन जैसा कि हमने कहा स्वर्णरेखा दुनिया की अकेली ऐसी नदी नहीं है, जिसमें सोना बहता है। देश और दुनिया के अलग—अलग हिस्सों में कई और ऐसी नदियां बहती हैं, जिनमें पानी के साथ सोना और हीरा भी बहते हैं।

मसलन मध्य प्रदेश में बहने वाली सोन नदी में सोने के कणों की तरह हीरे के कण बहते हुए मिल जाते हैं। जबकि आंध्र प्रदेश में बहने वाली कृष्णा नदी में भी अनेक लोगों को छोटे हीरे मिल चुके हैं। यही हाल अफ्रीकी देश बोत्सवाना में बहने वाली आरपेनेज नदी का है, यहां भी बहुत बार लोगों को बहते हुए हीरे मिले हैं। भारत और कनाडा की तरह यहां भी बड़े पैमाने में लोग इन हीरों की तलाश में अकसर नदी में घुसे रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया में कहने फ्रीमेन नदी और अमेरिका में बहने वाली जोन्स नदी भी ऐसी ही नदियों में शामिल हैं, जहां हीरे के टुकड़े बहते हुए मिल जाते हैं। अमेरिका की एक और नदी है, जिसे सैक्रामिंडो नदी कहते हैं, जिसके किनारों में सोने की परत चढ़ी हुई है, कैलिफोर्निया गोल्ड रस की शुरुआत यहीं हुई थी। जबकि माउंटेनमैन पॉलीन वीवर ने 1862 में कोलोराडो नदी के पूर्वी किनारे पर सोने की खोज की थी। वीवर की इसी खोज ने आने वाले सालों में लॉ पॉज, ऐरीजोना और नदी के किनारे की कई अन्य जगहों पर कोलोराडो नदी गोल्ड रस की शुरुआत हुई। कनाडा की क्लोंडाइक नदी, जो कि यहां के डासन शहर से होकर बहती है। इसकी तलछट में भी सोने के कण पाये जाते हैं। कई लोग यहां भी इन कणों को हासिल करने के लिए तलछट की खुदाई करते रहते हैं।

इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

बोले, राहुल–अखिलेश, इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो युवाओं को 30 लाख नौकरियां

संवाददाता–देवरिया। इंडिया गठबंधन के तहत राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने जनसभा को संबोधित किया। देवरिया, कुशीनगर और गोरखपुर लोकसभा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं की बेरोजगारी पर सवाल खड़ा किया। सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन 30 लाख नौकरियां सरकार में आते ही युवाओं के हवाले कर देगी। बेरोजगार युवाओं के बैंक एकाउंट में साल के एक लाख रुपये, खटाखट, खटाखट ,खटाटक आ जाएंगे। और पीने के साथ ही गर्मी अधिक है का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने पानी की बोतल से पीने का पानी अपने सिर पर गिरा लिया। कहा, गर्मी बहुत है। अखिलेश यादव ने कहा, हर जगह भ्रष्टाचार बढ़ा, निवेश के नाम पर सपने दिखाएं, कहां निवेश जमीन पर पहुंचा? इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर बड़े बड़े लोगों से चंदा वसूला, जिसकी वजह से महंगाई है। खुद को डबल इंजन कहने वालों के इंजन का कुशीनगर में आते आते धुआं क्यों निकल जाता है? ना कोई सड़क बना पाए, जो सड़के बनी हुई थी गड्ढे हो गए। अखिलेश यादव ने कहा ये चुनाव हमारा आपका तो है ही, ये भविष्य की पीढ़ी का चुनाव है और ये चुनाव संविधान बचाने का चुनाव है। ये संविधान हमारी संजीवनी है। रोटी कपड़ा और मकान, से भी पहले हमें संविधान बचाना है।

दरवाजे पर उतरा करंट, महिला ने तोड़ा दम

संवाददाता–श्रावस्ती। एक महिला लोहे के दरवाजे में उतरे करंट की चपेट में आ गई। इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोनवा थाना क्षेत्र रतनापुर निवासी राहुल पुत्र राम लखन सोनी के घर में लोहे का दरवाजा लगा हुआ है। दरवाजे से सटकर घर में बिजली की केबिल लगी हुई थी। जिसमें करंट उतर रहा था। सोमवार की रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए थे। बगल चारपाई पर राहुल की पत्नी मधु (22) सो रही थी। रात में मधु किसी काम से उठी और दरवाजा खोलने के लिए जैसे ही दरवाजे को हाथ लगाया तभी वह करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कुछ देर बाद जब पति राहुल की आंख खुली तो उसने मधु को बिस्तर पर नहीं पाया। इस पर वह उठ गया और देखा कि पत्नी दरवाजे के पास पड़ी है। वह पास गया और उठाने की कोशिश की तो उसे भी करंट का झटका लगा। इस पर राहुल को करंट का अंदाजा हो गया। उसने किसी तरह से पत्नी को दरवाजे के पास से अलग किया लेकिन तब तक उसकी सांसे थम चुकी थी। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नेपाल सीमा से सवा 10 किलो अफीम बरामद, दो नेपाली तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। नेपाल से भारत लाई जा रही भारी मात्रा में अफीम की खेप को सुरक्षा बलों ने बरामद जब्त कर लिया। साथ ही मौके से दो नेपाली तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। बरामद अफीम की कीमत 33 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने तस्करों को जेल भेज दिया है। श्रावस्ती से लगने वाली भारत नेपाल की 62 किलो मीटर लंबी खुली सीमा तस्करों के लिए मुफीद है। चेकपोस्ट के अलावा जंगलों के रास्ते नेपाल से भारत में प्रवेश करने के कई पगडंडी मार्ग है। जिसके रास्ते तस्कर अपने मंसूबों को कामयाब करने में लगे रहते हैं। लेकिन एसएसबी, पुलिस व खुफिया तंत्र की सक्रियता के चलते तस्कर नेपाल से भारतीय सीमा में घुसते ही धर लिए जाते हैं। सोमवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ जब दो नेपाली तस्कर अफीम की खेप लेकर नेपाल से भारत आ रहे थे तो भारतीय क्षेत्र में घुसते ही सुरक्षा बलों ने उन्हें गिरफ्तार कर अफीम की खेप को जब्त कर लिया। मंगलवार को एसपी घनश्याम चौरसिया ने पुलिस कार्यालय में मामले का खुलासा किया। एसपी के अनुसार थाना सिरसिया पुलिस, स्वाट व एसएसबी की संयुक्त टीम इंडो नेपाल बॉर्डर पर संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति बैग में संदिग्ध वस्तु के साथ नेपाल से भारत आ रहे हैं। सूचना मिलते ही सीमा से सटे मदारगढ़ गांव के पास स्थित स्तंभ संख्या 633ध्3 के पास संयुक्त टीम ने नाकेबंदी कर दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ लिया। उनकी तलाशी ली गई तो उनके कब्जे से बैग में 10 किलो 250 ग्राम अफीम बरामद हुआ। बरामद अफीम को जब्त कर टीम ने दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार बरामद अफीम की कीमत 33 लाख रुपए है। अफीम के साथ पकड़े गए दोनों तस्कर नेपाली नागरिक हैं। पुलिस के अनुसार पकड़े गए तस्करों की पहचान वीर बहादुर मल्ला पुत्र नरबहादुर मल्ला निवासी वार्ड नम्बर 13 ग्राम गुरता थाना चौखा जिला जाजरकोट राष्ट्र नेपाल व नरायण सिंह पुत्र मनबहादुर सिंह निवासी वालेकोट–8 सेपुखोला थाना सकला जिला जाजरकोट राष्ट्र नेपाल के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि कड़ाई से पूछताछ में तस्करों ने बताया है कि वह अफीम को नेपाल राष्ट्र से सीमा पार कर श्रावस्ती आ रहे थे। यहां से उन्हें शिमला व हिमाचल प्रदेश जाकर अफीम को बेचना था। लेकिन दोनों पकड़े गए। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर तस्करों को जेल भेज दिया।

गिरफ्तारी टीम में पुलिस, स्वाट व एसएसबी की टीम शामिल रही। पुलिस विभाग से उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह, आरक्षी बलदेव सिंह व अभिषेक तिवारी शामिल रहे। इसी तरह स्वाट टीम से उपनिरीक्षक राणा विशाल प्रताप सिंह, मुख्य आरक्षी रणविजय सिंह, संतोष यादव, आरक्षी वीरेंद्र कुमार यादव व अमित पाल मौजूद रहे। वहीं एसएसबी से एएसआई भूपाल सिंह, मुख्य आरक्षी जितेन्द्र सिंह, आरक्षी सोमलाल, अविनाश कुमार चौबे, तरुन कुमार, संतोष कुमार, मीष कुमार गोट, इकरामुलहक, बिट्टू कुमार व डाग नोजी शामिल रहे।

करनैलगंज में अधिवक्ताओं की हड़ताल खत्म

संवाददाता–गोण्डा। करनैलगंज तहसील में तीन सप्ताह से चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल मंगलवार को एसडीएम और अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों के बीच हुई वार्ता के बाद समाप्त हो गई। अधिवक्ताओं ने हड़ताल वापस लेने और सुचारू रूप से कार्य करने की सहमति जताई है। तहसील करनैलगंज बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपालजी तिवारी, महामंत्री ओम प्रकाश यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि उप जिलाधिकारी भारत भार्गव ने तीन सप्ताह से चल रही हड़ताल को समाप्त करने के लिए एक पत्र संगठन को भेजा था। जिस पर मंगलवार दोपहर में द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता में अधिवक्ता हृदय नारायण मिश्रा एवं अरविंद शुक्ला पर तहसील के कर्मचारियों द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर को वापस लिए जाने की मांग को लेकर हड़ताल चल रही थी। जिस पर उप जिलाधिकारी ने वकीलों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने का आश्वासन दिया और कार्रवाई शुरू कर दी है। जिस पर सभी अधिवक्ता सहमत हुए और सर्वसम्मत से हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया। बातचीत के दौरान हृदय नारायण मिश्रा, अरविंद शुक्ला, धर्मेंद्र मिश्रा, सुरेश तिवारी, त्रिलोकीनाथ तिवारी, सुरेंद्र द्विवेदी, रामसभा मिश्र, कुंदन अवस्थी, अमरेश चौबे, केडी सिंह सहित भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

ब्लेड से गला रेतकर पति ने ही की थी गर्भवती पत्नी की हत्या

संवाददाता–बलरामपुर। आपसी मनमुटाव के कारण पति ने ही गर्भवती पत्नी की ब्लेड से गला रेतकर हत्या की थी। पति ने पत्नी को ससुराल से साजिश के तहत बुलाया था। आरोपी पति को पुलिस ने सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया है। उसके बताने पर आला कत्ल ब्लेड भी बरामद हो गया है। पति ने पत्नी को नया मोबाइल फोन देने व दवा कराने के बहाने बुलाया और कब्रिस्तान के निकट रविवार शाम सात बजे गला रेतकर हत्या कर दी थी। सोमवार को मृतका के पिता ने अपने दामाद व उनके दो भाइयों के विरुद्ध केस दर्ज कराया। पुलिस की छानबीन में नव विवाहिता का पति दोषी पाया गया। सोनपुर धुतकहवा निवासी ओम प्रकाश यादव के मुताबिक उसने अपनी पुत्री इंद्रावती का विवाह एक साल पहले खिरिया मनकौरा निवासी 23 वर्षीय गब्बर उर्फ दयाराम यादव पुत्र गंगाराम के साथ किया था। इंद्रावती व गब्बर में मन मुटाव चल रहा था। इंद्रावती अक्सर मायके में ही रहती थी। रविवार को उसकी तबीयत खराब थी। शाम सात बजे वह अपनी मां व बहन के साथ इलाज कराने सोनपुर धुतकहवा चौराहा गई थी। इसी बीच गब्बर ने इंद्रावती को फोन किया। कहा कि वह उसे नया फोन दिला देगा और इलाज भी कराएगा। इंद्रावती अपनी मां व बहन का साथ छोड़कर दौड़ते हुए गब्बर के पास चली गई। गब्बर उसे बाइक पर बैठाकर चला गया। देर शाम इंद्रावती नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू की गई। काफी खोजबीन के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। परिवारीजन इंद्रावती की रातभर तलाश करते रहे। दूसरे दिन गब्बर व उसके दो भाइयों के विरुद्ध तुलसीपुर थाने में तहरीर दी। देर शाम सोनपुर धुतकहवा के निकट इंद्रावती का शव गन्ना खेत में पाया गया। वह दो माह की गर्भवती भी थी। उसका गला धारदार औजार से रेता गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। तुलसीपुर थाना के उप निरीक्षक श्रवण चन्द ने केस दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की। प्रथम दृष्टया लोगों का पक्ष लेने के बाद यह पता चला कि इंद्रावती को उसका पति गब्बर ही बाइक से लेकर गया था। खोजबीन करके रात में उप निरीक्षक आदित्य कुमार, महिला उप निरीक्षक शालिनी सिंह, कांस्टेबल अर्जुन कुमार, सर्विलांस व एसओजी टीम ने गब्बर को उसके खिरिया मनकौरा आवास से हिरासत में लिया है। उप निरीक्षक श्रवण चन्द ने बताया कि कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने पत्नी के हत्या की बात स्वीकार की जिस ब्लेड से गला रेता था, उसे भी उसकी निशानदेही पर बरामद कर लिया गया। गब्बर ने बताया कि पत्नी इंद्रावती से अक्सर उसकी कहासुनी हो जाती थी। इसी नाते से उसका दाम्पत्य जीवन सुखी नहीं था। उसने अपने दिमाग में पत्नी के हत्या की योजना बनाई। घटना वाले दिन उसे बाइक पर बैठाकर कब्रिस्तान के नजदीक ले जाकर गन्ना खेत में ब्लेड से गला रेता और हत्या कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार, क्षेत्राधिकारी राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि अभियुक्त काफी शातिर है। उसने योजनाबद्ध तरीके से पत्नी का कत्ल किया है। मामले की जांच फोरेंसिक टीम से कराई गई है। अभियुक्त को जेल भेजा गया है। फिंगर प्रिंट रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

शराब की दुकान से हजारों की चोरी

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के सरयू घाट चौकी अंतर्गत फत्तेपुर गांव में स्थित शराब की दुकान से सोमवार आधी रात के बाद नगदी व शराब चोरी करने की सूचना सेल्समैन ने थाने पर दी गई है। अंग्रेजी, देशी व बियर तीनों दुकानों के सेल्समैन के हस्ताक्षर से दी गई तहरीर में बताया गया है कि रात में 12 से 2 बजे के मध्य खिड़की में लगी ग्रिल व शटर तोड़कर गल्ले में रखी नगदी, लगभग पचास हजार की शराब की बोतल, सीसीटीवी कैमरे व डीवीआर चोरों ने पार कर दी। घटना के बाबत प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है।

अचानक ब्रेक लेने पर रोडवेज समेत तीन वाहनों की टक्कर, एक घायल

संवाददाता–गोण्डा। गोण्डा बलरामपुर हाईवे पर मंगलवार रफ्तार का कहर देखने को मिला। सड़क पर आए कुत्ते को बचाने में अचानक ब्रेक लगाने से रोडवेज समेत तीन वाहनों की पीछे से जोरदार टक्कर हो गई। घटना से रोडवेज बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई।हादसे में पिकअप में सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इटियाथोक कोतवाली क्षेत्र के बकठोरवा गांव में मंगलवार की सुबह हाईवे पर बलरामपुर की ओर जा रहे तीन वाहनों की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। बताया जाता है कि सबसे आगे चल रही कार के चालक ने कुत्ते को बचाने के चक्कर में अचानक ब्रेक लगा दी। तभी उसके पीछे तेज रफ्तार से आ रही पिकअप व रोडवेज भी आपस में टकरा गई। तीनों गाड़ियों के एक के पीछे एक टकराने से हड़कंप मच गया। वहीं रोडवेज में बैठी सवारियों में चीख पुकार मचने लगी। प्रत्यक्षदर्शियो के मुताबिक पिकअप में सवार बलरामपुर जिले के पन्हरिया गांव के संतोष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

नशोड़ी युवक ने लगाई फांसी, हालत गंभीर

संवाददाता–श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरिहरपुर महाराज नगर के मजरा बरुहा गांव निवासी जय प्रकाश (35) पुत्र रामदीन नशीले पदार्थों का सेवन करता है। बीते कुछ माह पहले उसका पैर टूट गया तो उसे घर में ही रहना पड़ रहा है। जिससे उसे नशे की सामग्री मिलने में कठिनाई होने लगी। लेकिन वह नशे की सामग्री के लिए परिवार के लोगों पर दबाव बनाने लगा। मंगलवार को इसी बात को लेकर घर में जय प्रकाश का परिजनों से विवाद हो गया। इस पर दोपहर में वह घर से बाहर स्थित आम की बाग में जाकर फंदे से झूल गया। जिसे देख परिजनों की ओर से युवक को फंदे से उतार कर सीएचसी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया गया।

पारा पहुंचा 44 पार, लोगों को झुलसा रही आसमान से बरसती आग

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में दिनोंदिन बढ़ते पारे से आम जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। आसमान से बरसती आग लोगों को झुलसा रही है। जिले में मंगलवार को अधिकतम तापमान 44 व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। मंगलवार सुबह नौ बजे से ही आसमान से आग बरसना शुरू हो गया। सुबह नौ बजे ऐसा लग रहा था कि दोपहर के दो बज रहे हों। फिलहाल आने वाले पांच दिनों तक गर्मी आसार कम होते नहीं दिखाई दे रहे हैं। जिले में बढ़ते पारे से लोगों का हाल बेहाल है। तेज धूप और लू के थपेड़ों की मार से लोग व्याकुल हैं। धूप से बचने के लिए लोग पूरे शरीर को कपड़ों से ढककर व अन्य तमाम उपाय करके ही बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। दिन में 11 बजे के बाद से ही सड़कों पर सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। जिले में सूरज की तपिश दिन बदिन बढ़ती जा रही। बढ़ते तापमान से न सिर्फ मानव बल्कि पशु पक्षियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। जिस्म को झुलसा देने वाली धूप से मानव सहित जीव जन्तु भी बेहाल हैं। मंगलवार को 44 डिग्री सेल्सियस के साथ जिला धधकता रहा। बहुत जरूरी काम होने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। वहीं गर्मी के बचने के लिए लोग तरल पदार्थों का जमकर सेवन अधिक कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि गर्मी से बचने के लिए गन्ने का रस, बेल शरबत, तरबूज, छाछ आदि का सेवन अधिक से अधिक करनी चाहिए। इससे आसमान से बरस रही धूप से लोग डिहाइड्रेशन व हीट स्ट्रोक से बच सकते हैं। वहीं बढ़ती गर्मी लोगों की सेहत पर बुरा प्रभाव डाल रही है। जिला अस्पताल सहित सीएचसी व पीएचसी के ओपीडी में उल्दी, दस्त, बुखार व सिर दर्द के मरीजों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। चिकित्सक मरीजों को इलाज के साथ–साथ गर्मी से बचने का उपाय भी बता रहे हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डा. सौरभ सिंह के मुताबिक भीषण गर्मी में ज्यादा तेल व मसालेदार खाने से परहेज करें। अधिक वसा वाला भोजन न खाएं। मिठाइयां कम खाएं, कैफीन से दूर रहे इससे डि–हाइड्रेशन बढ़ता है। ताजा पका भोजन करें। मांसाहार और अल्कोहल का सेवन कम करें। डिब्बाबंद जूस भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। बच्चों को धूप में कतई न निकलने दें। उनके शरीर में पानी की कमी न होने दें। पानी में ग्लूकोज डालकर पीना लाभप्रद है। खाने में सलाद के साथ हरी सब्जियों का सेवन अधिक करें। कड़ी धूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश पोखरे व तालाब सूख गए हैं। मवेशियों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। पशु पक्षी पानी के बिना बेहाल हैं। तालाब व पोखरों में पानी भरवाने का काम अभी तक नहीं शुरू हो सका है। अधिकांश राजकीय नलकूप खराब हैं। जिससे गन्ना फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही है। तराई स्थित महदेइया, सुगानगर, विजयीडीह, जहानडीह व साहेबनगर के तालाब सूख चुके हैं। इसी तरह जिले के सभी नौ ब्लाकों में अधिकांश तालाब व जलाशय सूखे हैं।

एनआईसी में हुआ मतगणना कार्मिकों का पहला रैण्डमाइजेशन

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा मतदान होने के बाद अब चार जून को मतगणना होगी। जिसे लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां पूरी की जा रही हैं। इसी क्रम में जिला मजिस्ट्रेट कृतिका शर्मा व प्रभारी अधिकारी कार्मिक सीडीओ अनुभव सिंह की अध्यक्षता में मतगणना में लगे कार्मिकों का प्रथम रैण्डमाइजेशन मंगलवार को एनआईसी में कराया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा ने बताया कि मतगणना के लिए विधानसभावार 14–14 टेबल लगायी जाएंगी। वहीं तीन–तीन टेबल रिजर्व व दो–दो टेबल आरओ, एआरओ के लिए रहेंगी। इस प्रकार दोनों विधान सभाओं को मिलाकर कुल 38 पार्टियां लगायी गई है। एक पार्टी में एक गणना सुपरवाइजर, एक गणना सहायक, एक गणना सहायक माइक्रो आब्जर्वर व एक गणना सहायक चतुर्थ श्रेणी तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि मतगणना कार्मिकों का प्रथम प्रशिक्षण आशा एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में 30 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरा प्रशिक्षण तीन जून को अपरान्ह तीन बजे से पांच बजे तक दिया जाएगा। रैण्डमाइजेशन के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निगम प्रताप सिंह, आशुलिपिक एसपी सिंह, एनआईसी इंजीनियर दीप नरायण, निहन्ता पाठक आदि मौजूद रहे।

भाभी से मंदिर में रचाई शादी, फिर भाई का कातिल बन बैठा देवर, पीट, पीटकर मार डाला

संवाददाता–देवरिया। एक शख्स ने अपनी भाभी और 2 बच्च्चों की मां से मंदिर में शादी कर ली। भाई ने विरोध किया तो लाठी–डंडे से पीट–पीटकर उसकी जान ले ली। इस हत्याकांड के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। कहते हैं इंसान पर वासना का भूत सवार हो जाए तो फिर वो सही–गलत, रिश्ते–नाते हर चीज भूल जाता है। देवरिया में एक शख्स अपनी सगी भाभी को हासिल करने के चक्ष्कर में अपने ही भाई का कातिल बन बैठा। उसने दो बच्च्चों की मां से मंदिर में शादी रचा ली। भाई ने इसका विरोध किया तो लाठी–डंडे से पीट–पीटकर उसकी जान ले ली। इस हत्याकांड के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

मामला देवरिया के रुद्रपुर क्षेत्र का है। यहां भृगुसरी गांव के रहने वाले संजय भारती (उम्र 45 वर्ष) पुत्र रामअधार की पत्नी से उनके छोटे भाई देवीलाल ने 9 मई को देवरिया हनुमान मंदिर पर पहुंच कर शादी कर ली थी। देवी लाल कुंआरा है। इसके बावजूद उसने दो बच्चों की मां अपनी सगी भाभी से शादी कर ली। इसी बात को लेकर दोनों भाईयों में पिछले 15 दिनों से विवाद चल रहा था। सोमवार की रात करीब 11 बजे दोनों भाई आपस में विवाद करने लगे। उसी दौरान देवीलाल ने लाठी–डंडे से संजय भारती के ऊपर हमला कर दिया। उसने बेरहमी से बड़े भाई को मारापीटा। शोर सुनकर आसपास के लोग जुटे तो वह फरार हो गया। मारपीट में घायल संजय भारती की देर रात घर पर ही मौत हो गई। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। संजय भारती के बेटे शिवकुमार(14) व सत्यम(11) का रो रो कर बुरा हाल था। घटना की सूचना पर मंगलवार की सुबह करीब 6 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। पुलिस ने ग्रामीणों से घटना की जानकारी लेने के बाद आरोपी भाई को गांव से ही हिरासत में ले लिया। इस संबंध में पूछने पर रुद्रपुर के प्रभारी कोतवाल रतन पाण्डेय ने बताया कि आरोपी भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महाविद्यालय का भवन तैयार, हो रहा है कर्मचारियों का इंतजार

संवाददाता–श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमुनहा में छात्रों के लिए उच्च शिक्षा की व्यवस्था नहीं है। इसलिए छात्रों को पढ़ने के लिए बाहर जाना पड़ता है। गिरंट बाजार के चौबेडीह में बना राजकीय महाविद्यालय के भवन में छात्रों का प्रवेश नहीं लिया जा रहा है। इससे छात्र परेशान हैं। विकास क्षेत्र जमुनहा के ग्राम पंचायत हरदत्त नगर गिरंट में चौबेडीह गांव के समीप एक साल से चार मंजिला इमारत राजकीय महाविद्यालय का भवन बनकर रंग–रोगन होकर सजा तैयार है। किंतु प्राध्यापकों की नियुक्ति न होने की वजह से राजकीय महाविद्यालय में शिक्षा सत्र चालू नहीं हो पा रहा है। जमुनहा क्षेत्र के युवा आज भी स्नातक डिग्री लेने के लिए बहराइच, रिसिया, नानपारा,भिनगा सहित अन्य स्थानों पर चल रहे डिग्री कालेजों के चक्कर काटते हैं। छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 30से 40 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है जबकि यदि राजकीय महाविद्यालय को चालू करवा दिया जाय तो अति पिछड़े इस क्षेत्र में छात्र–छात्राओं को आसानी से डिग्री कालेज में पढ़ाई हासिल करने के लिए सुविधा मिल जाएगी। क्षेत्र वासियों ने जुलाई नये सत्र से शिक्षकों की तैनाती कराकर राजकीय महाविद्यालय को चालू कराने की मांग की है।

मनबढ़ ने डायल 112 पर फोन कर राम मंदिर उड़ाने की दी धमकी

संवाददाता–कुशीनगर। डायल 112 पर फोन कर एक मनबढ युवक ने राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद मोबाइल ऑफ कर लिया। पटहेरवा पुलिस रात भर छापेमारी करती रही। अंत में देर रात दो बजे मोबाइल नम्बर से ट्रेस कर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है।

पटहेरवा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को एक अज्ञात युवक ने डायल 112 पर फोन कर राम मंदिर को उड़ाने की धमकी देने लगा,धमकी सुनकर पुलिस के होश उड़ गए धमकी देने वाले कि तलाश में पुलिस शाम से ही जगह जगह छापेमारी करती रही,बताया जाता है कि सही लोकेशन ट्रेस होने पर भारी पुलिस बल थाना क्षेत्र के बलुआ तकिया में छापेमारी करने पहुच गयी। जिस युवक ने धमकी भरा फोन किया था गांव वाले उसे पतरु के नाम से जानते है जबकि उसने अपना नाम अंश खरवार बताया था।

,एक एक कर कई घरों की तलाशी लेने के बाद पुलिस आखिरकार उसके नजदीक पहुच गयी। मोबाइल नम्बर पर फोन करने पर उसका मोबाइल बजने लगा जिसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने चली गई। जहा उससे पूछ ताछ जारी है,राम मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाले युवक के पकड़े जाने की चर्चा सुबह से ही शुरू हो गयी है।।इस सम्बंध में थानाध्यक्ष पटहेरवा राकेश रौशन सिंह ने बताया कि किसी व्यक्ति द्वारा डायल 112 पर फोन कर राममंदिर उड़ाने की धमकी दी गयी थी। पुलिस ने इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को देते हुए धमकी देने वाले युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस कर्मचारियों को दिया गया नए कानून को लागू करने का प्रशिक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। संसद में पास किए गए तीन नए कानूनों को लागू करने के लिए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंगलवार को पुलिस आफिस सभागार में एसपी की अध्यक्षता में पुलिस कर्मियों को तीन कानून तथा उसका पालन कराने का तरीका बताया गया। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से लागू होना है। इन तीन कानूनों को लागू करने के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिसे लेकर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी घनश्याम चौरसिया की ओर से प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें तीन नए अधिनियमों के संबंध में पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को जानकारी दी गई। एसपी ने बताया कि तीन नए कानून पुराने कानूनों की जगह पर स्थान लेंगे। इसलिए इन कानूनों की जानकारी सभी पुलिसकर्मियों को होना जरूरी है। इन कानूनों का बारीकी से अध्ययन करें और लागू करने में मदद करें। एसपी ने बताया कि इन कानूनों के बारे में आम लोगों को भी जानकारी होनी चाहिए।

वृद्ध को सांप ने डसा, अस्पताल पहुंचते ही मौत हुई

संवाददाता–श्रावस्ती। रात में आम की रखवाली करने के लिए बाग में चारपाई पर सो रहे एक वृद्ध को सांप ने काट लिया। परिजनों की ओर से गंभीर हालत में वृद्ध को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चमरपुरवा के मजरा चिंतापुरवा निवासी याकूब अली (60) पुत्र ननकू सोमवार रात में घर से खाना खाकर बाग में आम की रखली करने गया था। वह बाग में चरपाई पर बिस्तर डालकर सो रहा था। रात में कहीं से निकलकर एक जहरीला सांप चारपाई पर चढ़ आया और याकूब को काट लिया। सांप को देख वृद्ध शोर मचाने लगे तो घर के लोग मौके पर पहुंच गए। लेकिन तब तक उनकी हालत बिगड़ गई। आनन फानन में परिजनों ने वृद्ध को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर घर चले गए और अंतिम संस्कार कर दिया।

दिनेश कुमार शुक्ला बने माडल बार अध्यक्ष

संवाददाता–श्रावस्ती। मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन भिनगा में अध्यक्ष, महामंत्री समेत पांच पदों के लिए सोमवार को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। देर शाम तक चली मतगणना के बाद देर रात परिणाम की घोषणा की गई जिसमें दिनेश शुक्ला बार अध्यक्ष व राम गोपाल शुक्ला जीत कर महामंत्री चुने गए।

माडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन भिनगा के एल्डर कमेटी के चेयरमैन धनीराम वर्मा ने बताया कि बार एसोसिएशन चुनाव में 431 अधिवक्ता मतदाताओं में से 425 ने मतदान किया। मतगणना के बाद देर शाम परिणाम की घोषणा की गई। मतों की गणना के बाद अध्यक्ष पद पर दिनेश कुमार शुक्ला को 178 मत मिले और उन्होंने 78 मतों से जीत दर्ज की। वहीं कृष्ण कुमार त्रिपाठी को 100, सुरेश चंद्र तिवारी को 94, जगतराम वर्मा को 31 व अवधेश आर्य को 19 मतों से संतोष करना पड़ा। इसी तरह महामंत्री पद पर राम गोपाल शुक्ला को 166 मत, सतीश मौर्या को 145 मत व रविशंकर पाठक को 113 मत मिले। इसमें राम गोपाल शुक्ला ने 21 मतों से जीत दर्ज की। इसी तरह वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर 181 मत पाकर राधेश्याम वर्मा विजयी रहे जबकि चंद्रभूषण तिवारी को 143 व मुहम्मद नसीम को 93 मत मिले जबकि आठ मत अवैध हो गए। संयुक्त मंत्री प्रशासन पद पर पंकज पांडेय ने 106 मतों से जीत दर्ज की। उन्हें कुल कुल 265 मत मिले। वहीं प्रतिद्वंदी रत्नेश्वर पांडेय को 159 मतों से संतोष करना पड़ा। एक मत अवैध घोषित किया गया। कनिष्ठ सदस्य के छह पदों के लिए हिमांशु मिश्रा को 264, मेराज अहमद को 277, प्रभाकर पांडेय को 277, संदीप मिश्रा को 258, रवि प्रकाश भार्गव को 277 व अंकित कुमार शुक्ला को 269 मत मिले। जबकि प्रमोद कुमार 132 मत पाकर हार गए।

दलित के साथ मारपीट मामले में दो के विरुद्ध मुकदमा

संवाददाता–गोण्डा। मजदूरी करके लौट रहे दलित को दबंगों ने पीट दिया। जिसके बाद पीड़ित की तहरीर दो लोगों की विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित बृजलाल उर्फ छप्पू पुत्र नरायन कोरी चिरेबसना ने सीओ को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 22 मई को मजदूरी करने गांव के ही रवीउल्ला की मशीन पर गया था। वहां से रात नौ बजे लौटते समय गांव के हनीफ व रफीक पुत्रगण फक्कल उर्फ हक्कल पीछे से आये और लाठी से पीटने लगे। साथ ही जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान माल की धमकी भी दी। शोर मचाने पर गांव के काफी लोग दौड़े तो विपक्षीगण भाग गये। थानाध्यक्ष शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

सुरक्षा को लेकर पुलिस ने पैदल गश्त

संवाददाता–श्रावस्ती। कानून व्यवस्था मजबूत रखने को सुरक्षा बनाए रखने को पुलिस लगातार रूटीन गश्त कर रही है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ने पैदल गश्त किया। गश्त के दौरान पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया। साथ ही व्यापारियों व लोगों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी जानकारी ली और समस्या होने पर पुलिस को सूचना देने की सलाह दी।

स्कूल में मेधावियों को सम्मानित कर बढ़ाया हौसला

संवाददाता–गोण्डा। क्षेत्र के गुरुकुल विद्यापीठ इंटर कॉलेज गोपालबाग में मंगलवार को मेधावियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। छात्रा सौम्या तिवारी, शुभी दुबे, मुस्कान तिवारी, अनन्या बाजपेई, विमल अवस्थी, आरती, महक अवस्थी, अनमोल शुक्ला, संध्या शुक्ला, अंशी मिश्रा, मोहम्मद हसन, मो. जीशान, सुषमा मिश्रा सहित अन्य का सम्मान किया। इस दौरान नंद प्रसाद तिवारी, प्रधानाचार्य राजेश कुमार पांडे, रक्षा राम तिवारी, अरुण कुमार शुक्ला, लवकुश मिश्रा, नीरू कुमारी, पूजा सहित अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रशासक सुनील कुमार तिवारी ने किया।

रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को रामद्रोही बताते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच है। बकौल सीएम, एक तरफ भगवान राम को नकारने वाले, रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले, राम मंदिर को बेकार बनाने वाले लोग हैं तो दूसरी तरफ पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त कराकर प्रभु रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान कराने वाले लोग हैं। राम मंदिर पूरे भारत की सनातन आस्था का प्रतीक है इसलिए आज पूरे देश मे एक ही स्वर सुनाई पड़ रहा है, "रामभक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर"। तुष्टिकरण की राह पर चलने वाली कांग्रेस और सपा को देश की जनता वहां पहुंचा देगी, जहां उनका कोई नाम लेवा नहीं होगा।

सीएम योगी मंगलवार पूर्वाह्न पीपीगंज में गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद व भाजपा प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चुनाव में वह प्रचार के लिए देश मे जहां भी गए, हर जगह लोग मोदी जी को भरपूर समर्थन देते मिले। हर क्षेत्र से एक ही आवाज गूंज रही है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो राम मंदिर पूरे भारतवर्ष के लोगों के लिए गौरव है, उसे लेकर कांग्रेस कहती है कि यह मंदिर नहीं बनना चाहिए था इससे दुनिया में गलत संदेश गया है। वहीं समाजवादी पार्टी कहती है कि राम मंदिर बेकार बना है। सीएम योगी ने इन बयानों के लिए कांग्रेस–सपा पर प्रहार करते हुए कहा राम मंदिर तो ठीक बना है लेकिन राम मंदिर को बेकार बताने वाले लोगों की बुद्धि में भूसा भर गया है।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव राम भक्तों और रामद्रोहियों के बीच जा चुका है। एक तरफ राम और राम मंदिर का विरोध करने वाले रामद्रोही लोग हैं। वहीं दूसरी तरह राम की सेवा करने वाले, रामलला को विराजमान करने के लिए 500 वर्षों की प्रतीक्षा के कालखंड को समाप्त करने वाले रामभक्त हैं। ये वो रामभक्त हैं जिन्होंने रामलला के विराजमान होने से पहले अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि के नाम पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनवाया, श्रीराम के सखा निषादराज के नाम पर प्रतीक्षालय बनवाया, माता शबरी के नाम पर भोजनालय बनवाया।

ये वो रामभक्त हैं जो प्रयागराज में निषादराज की 56 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित कराते हैं, निषादराज को पूरा सम्मान देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे में निषादराज के कोई भी अनुयाई रामद्रोहियों के साथ खड़े नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि चुनाव में रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले लोग आज आपके आंख में धूल झोंकने का प्रयास करेंगे, लेकिन बहकावे में नहीं आना है।

सीएम योगी ने कहा कि रामद्रोही कभी चौन से नहीं बैठ पाया है। वह कितना ही बड़ा क्यों ना हो, कितना ही ताकतवर हो, उसकी दुर्गति जरूर हुई है, उसका पतन जरूर हुआ है। उन्होंने कहा कि जबकि रामभक्त प्रभु के आशीर्वाद से प्रगति पर ध्यान देते हैं। आज रामभक्त देश के विकास के लिए, टूलेन से लेकर टवेल्व लेन सड़क बनाने के लिए, एम्स, मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, एयरपोर्ट बनाने के लिए, हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए, औद्योगीकरण के लिए काम कर रहे हैं। रामभक्त मोदी सरकार ने चार करोड़ गरीबों के मकान बनवाए, जो बच गए हैं उन्हें चार जून के बाद सरकार बनने पर मिल जाएंगे। गरीबों के इलाज के लिए आयुष्मान योजना, धुएं से मुक्ति के लिए उज्ज्वला योजना से निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन रामभक्त सरकार की ही देन है। कहा कि 4 जून को जब फिर से रामभक्तों की सरकार बनेगी तो 70 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक व्यक्ति को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध करा दिया जाएगा।

अग्निवीर योजना ने सेना के जवानों को मजदूर बना दिया, सरकार बनते ही खत्म करेंगे –राहुल गांधी

संवाददाता–गोरखपुर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल ने केन्द्र सरकार की अग्निवीर योजना का जिक्र करते हुए तल्ख टिप्पणी की। राहुल ने कहा कि अग्निवीर योजना सेना की योजना नहीं है। यह योजना मोदी सरकार की योजना है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार नरेन्द्र मोदी ने सेना के जवानों को मजदूर बना दिया है। उनको पेंशन देने, शहीद का दर्जा देने और कैंटीन देने के बजाय नरेन्द्र मोदी ने हिंदुस्तान के युवाओं से कहा है कि अगर आप गरीब घर के बेटे हैं और आप सेना में जाते हैं तो आपको न पेंशन मिलेगी, न कैंटीन मिलेगी और अगर आप शहीद हो जाते हैं तो आपको शहीद का दर्जा भी नहीं मिलेगा। राहुल ने बांसगांव में इंडिया गठबंधन के सहयोगी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमीर घर के बेटों से मोदी कहते हैं कि अगर आप अमीर हैं तो आपको पेंशन मिलेगी, आपको शहीद का दर्जा मिलेगा, आपको कैंटीन मिलेगी, आपके परिवार को सुरक्षा मिलेगी। मैं हिंदुस्तान के युवाओं से कहना चाहता हूं कि अग्निवीर योजना को इंडिया गठबंधन की सरकार फाड़कर कूड़ेदान में फेंकने वाली है। यह सेना की योजना नहीं है। यह नरेन्द्र मोदी जी की योजना है। इससे सेना का, देशभक्तों का और जवानों का अपमान किया जा रहा है इसीलिए हम इस योजना को रद्द करने जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं हिंदुस्तान के सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि इंडिया गठबंधन दिल से, जान से, खून से संविधान की रक्षा करेगा। हम एक इंच पीछे नहीं हटेंगे। मर जाएंगे, कट जाएंगे लेकिन संविधान को हम नहीं बदलने देंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करने की तैयारी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाया जाएगा। राहुल ने कहा कि आज भाजपा के लोग कहते हैं कि हम आंबेडकर जी के काम को उनके सपने को फाड़ कर फेंक देंगे। मैं कहता हूं कि आंबेडकर जी के संविधान को, गांधी जी और नेहरू जी के संविधान को कोई शक्ति फाड़ नहीं सकती।

राहुल ने कहा कि भाजपा कहती है कि दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को आरक्षण नहीं मिलना चाहिए। वह आरक्षण को खत्म करना चाहते है। मैं उन्हें संदेश देना चाहता हूं कि आप संविधान को खत्म नहीं कर पायेंगे। उल्टा हम आरक्षण को 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाकर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज आरक्षण को 50 प्रतिशत तक की सीमा पर रखा गया है। इंडिया गठबंधन ने अपने घोषणा पत्र में साफ लिखा है कि हमारी सरकार आएगी तो इस 50 प्रतिशत तक की सीमा को हम हटा देंगे और उसे 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा देंगे। जहां भी कांग्रेस की सरकार आई है, चाहे छत्तीसगढ़ हो, मध्य प्रदेश हो, हमने यह काम करके दिखाया है और पूरे हिंदुस्तान में हम यह काम करके दिखा देंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ इंडिया गठबंधन और संविधान है और दूसरी तरफ वे लोग हैं जो इस संविधान को रद्द करना चाहते हैं। भाजपा के नेताओं ने खुलकर कहा है कि हमारी सरकार आएगी तो हम संविधान को खत्म कर देंगे। मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि आपकी सरकार नहीं आएगी। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बायोलॉजिकल वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि परमात्मा ने उन्हें हिंदुस्तान भेजा है। मगर (परमात्मा ने) उनको अडाणी की मदद करने के लिए भेजा है, अंबानी की मदद करने के लिए भेजा है। परमात्मा ने उन्हें किसानों और मजदूरों की मदद करने के लिए नहीं भेजा है। (परमात्मा ने उन्हें) जातिवार जनगणना करवाने के लिए नहीं भेजा। यह अजीब सी बात है। अगर सचमुच में परमात्मा ने (सीधे दुनिया में) भेजा होता तो परमात्मा कहते कि तुम हिंदुस्तान के सबसे कमजोर लोगों की मदद करो, कमजोरों, किसानों, मजदूरों और गरीबों की मदद करो।

उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के परमात्मा ने उनसे कहा है कि मोदी, तुम अडाणी की मदद करो, हिंदुस्तान के सारे के सारे हवाई अड्डे अडाणी को दे दो, हिंदुस्तान के विद्युत संयंत्र अडाणी को दे दो, रेलवे अडाणी को दे दो, अंबानी–अडाणी का 16 लाख करोड़ रुपए कर्ज माफ करो। यह कैसे परमात्मा हैं। यह नरेन्द्र मोदी जी वाले परमात्मा हैं। राहुल ने कहा कि परमात्मा की बात हो रही है, तो आपने राम मंदिर का उद्घाटन देखा है? राम मंदिर के उद्घाटन में हिंदुस्तान की राष्ट्रपति जो आदिवासी है, उनसे कहा जाता है कि आपको नहीं आना है, आपका चेहरा नहीं दिखना चाहिए। राम मंदिर के उद्घाटन में एक भी पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति, एक भी दलित, एक भी किसान, एक भी मजदूर नहीं था। वहां अंबानी–अडाणी की सूची लगी थी। वह (मोदी) जो भी करते हैं, अडाणी और अंबानी के लिए करते हैं। राहुल ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर महिलाओं और युवाओं को हर माह धनराशि देने का वादा दोहराते हुए कहा कि यह जो हम आपकी जेब में पैसा डालने जा रहे हैं उसके पीछे एक सोच है। नरेन्द्र मोदी ने 22 अरबपति बनाए। उन्होंने पैसा इंग्लैंड, अमेरिका, जापान और दुबई भेजा। हम आपकी जेब में पैसा डालने जा रहे हैं। आप इस पैसे को गांवों, शहरों और कस्बों में खर्च करेंगे। आप स्कूटर, मोटरसाइकिल खरीदेंगे। मोबाइल फोन और कपड़े खरीदेंगे। जैसे ही आप ये चीज खरीदेंगे, हिंदुस्तान की फैक्टरियां चालू हो जाएंगी और उन फैक्टरियों में हिंदुस्तान के युवाओं को रोजगार मिलना चालू हो जाएगे।

उन्होंने कहा कि हम हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था को जंप स्टार्ट करने जा रहे हैं। जैसे फ्यूल टैंक में पेट्रोल डाला जाता है, उसके बाद चाबी घुमाई जाती है। वैसे ही हम आपके फ्यूल टैंक में पेट्रोल यानी धन डालेंगे, उसके बाद चाबी घुमाएंगे तो हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था चालू हो जाएगी और आपको रोजगार मिलेगा। राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी के एक पुराने कथित वक्तव्य पर तंज करते हुए कहा, नरेन्द्र मोदी ने बेरोजगारी फैलायी। उत्तर प्रदेश के युवाओं को चोट पहुंचाई। आपसे उन्होंने कहा कि युवाओ, आप नाली की ओर जाइए, नाली में पाइप डालिए, नाली में से गैस निकलेगी। पाइप को चूल्हे में लगाइए और पकौड़े बनाइए। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में पूरी ईमानदारी और लगन से एक–दूसरे की मदद करने के लिये धन्यवाद भी दिया।

शादी से इंकार करने पर प्रेमिका को मारा चाकू, सुबह दुकान से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले के बसखारी बाजार में सोमवार देर शाम युवती को चाकू मारकर घायल करने के बाद युवक का शव लटका मिला। शव युवती के पिता की बाजार स्थित उस चाय की दुकान में ही लटका मिला जहां पर चाकू मारने की घटना हुई थी। मालीपुर निवासी युवक मोहित (25) सोमवार देर शाम बसखारी बाजार पहुंचा। इसके बाद वह यूनियन बैंक के निकट स्थित कल्लू की दुकान पर पहुंचा। युवक उसकी 24 वर्षीय पुत्री से प्रेम प्रसंग में शादी करना चाहता था। पुलिस के अनुसार लड़की के परिजन पहले राजी थे लेकिन फिर कोई बात बिगड़ गई। शादी से इंकार होने की जानकारी मिलने से तिलमिलाए युवक मोहित पर आरोप है कि उसने दुकान पर मौजूद युवती को चाकू मारकर घायल कर दिया। इसके बाद भाग गया। युवती को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत खतरे के बाहर है। उधर, मंगलवार सुबह मोहित का शव चाय की दुकान में ही संदिग्ध अवस्था में लटका मिला है। स्थानीय लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। मोहित के परिजन बसखारी पहुंचने वाले हैं। उधर, एएसपी विशाल पांडेय ने बताया कि युवती को घायल करने का मुकदमा रात में ही दर्ज कर लिया गया। यह प्रथम दृष्टया युवक के आत्महत्या करने का मामला है। उसके शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं है।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा में बैठेंगे 666 परीक्षार्थी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोकसभा चुनाव में मतगणना के ठीक पांचवें दिन नौ जून को होने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया है। इस बार जिले के दो परीक्षा केंद्रों पर 666 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में कराने के लिए सभी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के उप नोडल समन्वयक एवं बुद्ध विद्यापीठ पीजी कॉलेज सिद्धार्थनगर के प्राचार्य प्रो. अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नौ जून आयोजित होने वाली इस परीक्षा में 666 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसके लिए जिले में परीक्षा केंद्र के रूप में शिवपति पीजी कॉलेज शोहरतगढ़ में 316 व बुद्ध विद्यापीठ पीजी कॉलेज सिद्धार्थनगर में 350 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे। इन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से परीक्षा की निगरानी की जाएगी। साथ ही परीक्षा को नकल विहीन एवं पारदर्शिता से कराने के लिए प्रत्येक केंद्र पर दो–दो ऑब्जर्वर की तैनाती भी की गई है। प्रत्येक दो परीक्षा केंद्र पर एक प्रतिनिधि भी परीक्षा केंद्रों पर नजर रखेंगे। प्रत्येक सेंटर पर एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली सुबह नौ बजे से 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए आवश्यक सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। नौ जून की सुबह पांच बजे पहली पाली की परीक्षा के लिए कोषागार से केंद्रों को प्रश्नपत्र भिजवाए जाएंगे। दूसरी पाली के लिए सुबह नौ बजे कोषागार से पेपर केंद्रों को पेपर भिजवाए जाएंगे। उत्तर पुस्तिका की तीन प्रतियां होंगी। एक प्रति परीक्षार्थी ले जा सकेंगे। एक प्रति कोषागार में जमा होगी जबकि, मूल प्रति बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की टीम लेकर आएगी। प्रत्येक केंद्र पर जहां पर कड़ी सुरक्षा होगी तो वहीं दूसरी ओर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से जारी की जाने वाली गाइड लाइन का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 T 202010440301774
धारा 144 राजस्व संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय (न्यायिक) बस्ती जिला बस्ती

दिलीप कुमार आदि
बनाम
महेश चन्द्र आदि

1. महेश चन्द्र पुत्र गनपत 2. हर्षित पटेल पुत्र आशुतोष कुमार 3. नीलांक पुत्र आशुतोष कुमार 4. श्रीमती इसलावती पत्नी आशुतोष कुमार 5. सत्यवी 6. धर्मवीर पुत्रगण राजेन्द्र 7. सिद्धार्थ चन्द्र पुत्रगण रामलखन 8. श्रीमती पुष्पारानी पत्नी अविनाश कुमार 9. चन्द्रहास 10. बृजेश 11. देवेश पुत्रगण रामलखन 12. रामराज 13. जगदीश प्रसाद पुत्रगण मोतीलाल 14. बृजभूषण 15. इन्द्रभूषण पुत्रगण मदनमोहन 16. श्रीमती पार्वती पत्नी चन्द्रभूषण 17. श्रीमती सीमा देवी पत्नी राजेश 18. हिमाशु पुत्र राजेश 19. जया पुत्री राजेश 20. अंशिका पुत्री राजेश 21. प्रभाकर पुत्र ओंकार 22. श्रीमती धनपाती पत्नी हरिश्चन्द्र मृतक 23. बलभद्र पुत्र हरिशचन्द्र साकिनान मौजा चमरौहा सियरापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 24. ग्राम पंचायत ढोरिका तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 25. सरकार उत्तर प्रदेश जरिये कलेक्टर बस्ती 26. पवन कुमार पुत्र हरिशचन्द्र साकिन चमरौहा सियरापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 05 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

वोटों का बिखराव और भितरघात बना–बिगाड़ सकता है समीकरण

संवाददाता–संतकबीरनगर। मतदान के बाद प्रशासन जहां मतगणना की तैयारियों में जुटा हुआ है, वहीं दूसरी तरफ प्रत्याशी और समर्थक वोटों को जोड़ने–घटाने में व्यस्त हैं। सरकारी दफ्तर हो या फिर चाय–पान की दुकानों पर जुटने वाली भीड़, हर जगह सिर्फ चुनावी चर्चा हो रही है। कोई भितरघात की बात कर रहा है तो कोई वोटरों के सौदागरों की। लोग यहीं चर्चा कर रहे थे कि वोटों के बिखराव और भितरघात का असर हुआ तो परिणाम चौंकाने वाला होगा। जिले में छठे चरण में 25 मई को मतदान संपंन हुआ। चार मई को मतगणना होगी। जैसे–जैसे मतगणना की तिथि नजदीक आ रही हैं, वैसे–वैसे प्रत्याशी और समर्थकों का परिणाम को लेकर धड़कनें घट– बढ़ रही हैं। प्रत्याशी अपने पक्ष में मतदाताओं को मोड़ने की हर जतन किए थे। सोमवार को विकास भवन में एक पार्टी के दो नेता पहुंचे थे। उसी बीच सेमरियावां क्षेत्र से एक प्रधान भी पहुंच गए। फिर चुनावी चर्चा छिड़ गई। नेता बोले परिणाम तो अपने प्रत्याशी के पक्ष में ही आएगा, लेकिन चुनाव में भितरघात जबरदस्त हुआ है। अपने ही पार्टी के कुछ कद्दावर दिखाने के लिए तो साथ–साथ रहे, लेकिन अंदरखाने भितरघात किए। ऐसे में जीत के मतों का अंतर कम हो सकता है। इसी तरह सुगर मिल तिराहे पर चाय की दुकान और कोतवाली के पास चाय की दुकान पर बैठे कुछ लोग चुनावी चर्चा में मशगूल दिखे। चाय की चुस्कियों के साथ पांचू बोल पड़े कि चुनाव में वोटरों के सौदागरों की बल्ले–बल्ले रही। प्रत्याशियों के पक्ष में वोट दिलाने का सौदागरों ने ठेका तक ले लिया था। सौदागर खुद फायदे में रहे। अब परिणाम को लेकर चिंता में पड़ गए हैं। यदि परिणाम प्रत्याशी के पक्ष में नहीं आया तो सौदागरों की खूब किरकरी होगी। वहीं जगरनाथ और राम बेलास ने कहा कि वोटरों ने खामोशी से अपना वोट डाला है। वोटों का बिखराव भी जबरदस्त हुआ है। अब किस दल के प्रत्याशी के पक्ष में वोटरों का रुझान अधिक रहा, यह तो मतगणना के बाद परिणाम ही बताएगा।

अयोध्या राम मंदिर के शिखर निर्माण के साथ होगी रामदरबार की प्रतिष्ठा

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति ने 2024 के दिसंबर तक मंदिर के निर्माण को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। भूतल व प्रथम तल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। दूसरे तल का निर्माण पूरा करने के बाद ही शिखर पर काम शुरू होगा। प्रथम तल पर रामदरबार की प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके साथ ही शिखर की भी प्रतिष्ठा पूरी हो जाएगी। यह दिसंबर तक होना संभावित है। खास बात यह है कि सबसे ऊपर यानी दूसरे तल पर केवल विशेष अनुष्ठान आयोजित होंगे जो ट्रस्ट की अनुमति के बाद ही संभव हो पाएंगे। यहां सभी श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति नहीं होगी क्योंकि यह अनुष्ठान का केंद्र होगा। रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही राममंदिर में श्रद्धालुओं का दर्शन शुरू हो गया। इसकी वजह से कुछ दिन मंदिर निर्माण कार्य बाधित रहा लेकिन फरवरी के दूसरे पखवारे से निर्माण कार्य ने तेजी पकड़ ली है। अब दिसंबर के पहले द्वितीय तल शिखर मंदिर, परकोटा के सात मंदिर का काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद के वर्ष में बाकी के 71 एकड़ में ऑडिटोरियम और ट्रस्ट के दफ्तर आदि कई निर्माण होंगे। कुल मिलाकर मंदिर का कार्य 2024 में पूरा हो जाएगा। प्रथम स्थल पर सभी भाइयों के साथ पूरा रामदरबार होगा। राम मंदिर के प्रथम तल में राम दरबार के विग्रह का रेखाचित्र बनाने का जिम्मा पुणे, महाराष्ट्र के प्रसिद्ध चित्रकार वासुदेव कामत को दिया गया है। चित्रकार कामत ने रामलला का भी रेखाचित्र तैयार किया था। वहीं परकोटा की परिधि में निर्माणाधीन छह मंदिरों में अलग–अलग जिन मूर्तियों का निर्माण प्रस्तावित है, उनका निर्माण किस शिला से किया जाएगा, यह अभी तय नहीं है। परकोटे में छह मंदिर में सूर्यदेव, भगवान शिव, गणपति, माता दुर्गा , हनुमान, अन्नपूर्णा का मंदिर बनना है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी लक्ष्मन चौधरी पुत्र श्री शिवकुमार चौधरी ग्राम– कटरा बाइपास मूडघाट जनपद बस्ती का निवासी है। मेरे आधार कार्ड एवं अन्य शैक्षणिक अभिलेखों में मेरी जन्म तिथि 29/7/ 2004 है। त्रुटिबश मेरे पासपोर्ट में जन्म तिथि 27/8/ 2003 हो गया है जो गलत है। इसे सुधारकर 29/7/ 2004 किया जाय।

एक ही गांव की दो किशोरियां लापता, परिजन चिंतित

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा क्षेत्र के एक ही गांव की रहने वाली दो किशोरियां घर से लापता हो गई है। पीड़ित परिजनों ने तलाश के बाद किशोरियो के न मिलने से चिंतित हैं। शक के आधार पर गांव के एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएं।

पीड़ित पिता का आरोप है कि 24 मई की रात में उसकी 15 वर्षीय बेटी और गांव की दूसरी 13 वर्षीय किशोरी परिजनों को बिना बताए कहीं चली गई। दोनों किशोरियों के लापता होने से परिजन घबड़ा गए और काफी तलाश किए, लेकिन कोई पता नहीं चला। परिजनों को आशंका है कि गांव का ही एक युवक दोनों किशोरियों का भगा ले गया है। आरोपी युवक पहले से 13 वर्षीय किशोरी से बातचीत करता था। एसओ अनिल कुमार ने बताया कि आशंका के आधार पर युवक के खिलाफ किशोरियों को भगाने का केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही दोनों किशोरियों को ढूंढ कर मामले का पटाछेप कर दिया जाएगा।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0 912/2023

कृष्णानन्द
बनाम
महेन्द्र

महेन्द्र पुत्र बैजूलाल वारिस मृतक इन्द्रासनी देवी पत्नी बैजूलाल निवासी मौजा उदयपुर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 13–08–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 08 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डी0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 114/2022

आनन्द पाल
बनाम
उत्तम प्रसाद

उत्तम प्रसाद उम्र लगभग 62 वर्ष पुत्र रामनरेश ग्राम खडौहा तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–07–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 07 के 19 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
नम्बर मुकदमा 68/2009
प्रकीर्णवाद सं0 341/2023

राम प्रसाद
बनाम
कमला देवी आदि

2. राम सवारे आयु लगभग 55 साल पुत्र राजाराम 3. निर्मला देवी आयु लगभग 55 साल पत्नी रामसवारे साकिनान ग्राम रेवटा हरिसरन शुक्ल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–08–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 05 माह 08 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 226/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डी0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

कौशिल्या देवी
बनाम
कृष्ण गुलाम आदि

1. कृष्ण गुलाम पुत्र परमेश्वर 2. राधेश्याम पुत्र परमेश्वर मौजा कुम्हिया मिश्रौलिया तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 40/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डी0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अतुल कुमार
बनाम
ओम प्रकाश

1. ओम प्रकाश 2. जय प्रकाश पुत्रगण राम कुमार 3. दीपक कुमार 4. कृष्णगोपाल 5. मदन गोपाल 6. अरूण कुमार 7. प्रमोद कुमार पुत्रगण ओम प्रकाश साकिनान मौजा पाण्डेय बाजार नरहरिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0 नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुमुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406, ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com